

राहुल गांधी की बेचैनी को भला कौन समझेगा ?

राहुल गांधी की बेचैनी को भला कौन समझेगा? इसी सवाल के साथ मैं यह भी पूछना चाहता हूँ कि उनकी बेचैनी की वजह को समझने के लिए कोई और नहीं तो खांटी काग्रेसी दिग्गज भी क्यों तैयार नहीं हैं? इंडिया ब्लॉक के दलों की बात छोड़ दें तो राहुल के इर्दगिर्द आखिर कौन रह गया है? एक केसी वेगुगोपाल हैं, जो फेविकोल के मजबूत जोड़ की तरह उनसे सदा चिपके रहते हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे की भूमिका देखें तो कभी-कभी लगता है कि कांग्रेस अध्यक्ष बनने के पहले उन्होंने शाहरुख खान की मशहूर फिल्म ‘यस बॉस’ कुछ ज्यादा ही बार देख ली थी।

पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनेत, इमरान मसूद, इमरान प्रतापगढ़ी और अभय दुवे सरीखे मेरे काबिल मित्रों की भी बीड़ उनके इर्दगिर्द है।



प्रसंगवश
राजेश सिरोटिया

अभिषेक मनु सिंघवी जैसे विद्वान वकील भी यदि उन्हें कानूनी प्रावधानों और संसदीय लोकतंत्र की बारीकियां समझाने के बजाय वही बताते हैं जो राहुल गांधी सुनना चाहते हैं, तो फिर सवाल उठना स्वाभाविक है कि सही सलाह देगा कौन? नतीजा सामने है। अदालतों से लेकर संवैधानिक संस्थाओं तक के सामने राहुल गांधी को कई बार असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है।

यहां मुझे अपने पत्रकारिता जीवन का एक प्रसंग याद आता है। करियर के शुरुआती दौर से लेकर रिपोर्टिंग हेड तक के सफर में एक वरिष्ठ सहयोगी से अक्सर दो-चार होना पड़ता था। वे किसी मुद्दे पर मेरी राय पूछते और मैं अखबार तथा पत्रकारिता के हित में जो उचित लगता, बता देता। लेकिन फैसला हमेशा मेरी राय के उलट होता। मैं अपने दायरे में रहकर थिड़ भी जाता, मगर नतीजा वही- मायूसी। एक रात समय निकालकर शाहरुख खान की ‘यस बॉस’ देखी। फिल्म इतनी पसंद आई कि कई बार देखी। मैंने तय कर लिया कि बेवजह बॉस से उलझने से बेहतर है उनके हर सवाल का जवाब

दिया जाए - ‘यस बॉस’। दिलचस्प यह रहा कि वह मेरी राय के विपरीत फैसला करते थे, लेकिन कई बार परिणाम वही होता था जो मैं चाहता था।

लेकिन राहुल गांधी के मामले में मामला उलटा है। वहां ‘यस बॉस’ कहने वाले अगर सिर्फ बॉस को खुश करने के लिए हां में हां मिला रहे हैं तो वे राहुल गांधी का नहीं, कांग्रेस का नुकसान कर रहे हैं। राजनीति में सबसे खतरनाक सलाह वह होती है जो नेता को वही सुनाए, जो वह सुनना चाहता है। सबसे उपयोगी सलाह वह होती है जो उसे वह बताए, जो उसे सुनना चाहिए।

कांग्रेस के भीतर सही सलाह देने वाले नेताओं की स्थिति पर भी नजर डालिए। कुछ बाहर हो चुके हैं, कुछ हाशिये पर हैं और कुछ तमाम असहमतियों के बावजूद अपनी आंतरिक मजबूरियों के कारण टिके हुए हैं। राहुल गांधी अपने से उम्र में कई दशक बड़े वरिष्ठ नेताओं को भी नाम से पुकारते हैं। यह उनका व्यक्तिगत व्यवहार है। वे किस किस संवोधन से बुलाएं, यह उनका अधिकार है। लेकिन जब वही व्यक्ति देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी का नेता और

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हो, तब व्यक्तिगत पसंद से बड़ा सवाल सार्वजनिक जवाबदेही का हो जाता है।

कांग्रेस आज भी देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष अनिवार्य है। इसलिए राहुल गांधी से सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि वे मोदी सरकार का विरोध कितनी ताकत से करते हैं, सवाल यह भी होना चाहिए कि वे विपक्ष की जिम्मेदारी कितनी परिपक्वता से निभाते हैं।

बीते दिनों, खासकर बंगाल के चुनावी घटनाक्रम के बाद, कांग्रेस की राजनीतिक गाड़ी और तेजी से बेपटरी होती दिखाई दी। राहुल गांधी को कौन समझाए कि नेता प्रतिपक्ष जैसे पद पर रहते हुए किसी संवैधानिक संस्था को ‘चोर’ कहना संसदीय मर्यादा के अनुरूप है या नहीं? प्रधानमंत्री हों, निर्वाचन आयोग हो या कोई उद्योगपति, आरोप लगाने का अधिकार लोकतंत्र देता है, लेकिन आरोप को प्रमाण और प्रक्रिया की कसौटी पर कसने की जिम्मेदारी भी उसी लोकतंत्र की है।

मोदी का विरोध आसान, विकल्प बनना कठिन

यदि किसी अखबार में प्रकाशित तथ्यों के आधार पर चुनावी प्रक्रिया पर सवाल हैं तो उनकी पुष्टि कर निर्वाचन आयोग के सामने जाना चाहिए। अदालत का दरवाजा खटखटाना भी लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन जब मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच चुका हो और संबंधित संवैधानिक संस्था से जवाब मांगा जा चुका हो, तब आधिकारिक जवाब की प्रतीक्षा करना क्या अधिक जिम्मेदार रास्ता नहीं होता? फिर आयोग के खिलाफ मार्च, गिरफ्तारी और उसके बाद प्रतिबंधित क्षेत्र में जाकर धरने की नौबत क्यों आई? किसने सलाह दी? क्या पहले से तय कार्यक्रम था? और यदि था तो फिर बाद में आयोग के पदाधिकारियों से मिलने की कोशिश क्यों? सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि जिस संस्था को सार्वजनिक मंचों से ‘वोट चोर’ और ‘चुनाव चोर’ कहा जा रहा था, उसी से अचानक संवाद की जरूरत क्यों महसूस हुई? देश राहुल गांधी से सिर्फ आक्रोश नहीं, विकल्प की अपेक्षा कर रहा है। मोदी का विरोध करना आसान है, मोदी का विकल्प बनना कठिन। उसके लिए आवेग नहीं, धैर्य चाहिए, आरोप नहीं, प्रमाण चाहिए, भीड़ नहीं, रणनीति चाहिए और सबसे बढ़कर- आसपास ऐसे लोग चाहिए जो समय आने पर ‘यस बॉस’ कहने के बजाय ‘नो बॉस, यह ठीक नहीं है’ कह सकें।

शायद राहुल गांधी की बेचैनी की असली वजह यही है। और उससे बड़ा सवाल यह है कि उन्हें यह बात समझाएगा कौन?

न्यूज विंडो

कोहली बोले-5 करोड़ लेकर प्रेमानंदजी के दर्शन की बात झूठी



मथुरा। क्रिकेटर विराट कोहली ने फलाहारी महाराज दिनेश शर्मा के 5 करोड़ लेकर संत प्रेमानंद के आश्रम जाने के आरोपों को नकार दिया है। कोहली के प्रवक्ता ने आज बयान जारी कर कहा कि सभी दावे पूरी तरह से झूठे, निराधार और तथ्यहीन हैं। वे प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए आश्रम सिर्फ गहरी श्रद्धा और सम्मान की वजह से जाते हैं। उन्होंने अपील की कि मीडिया किसी भी दावे को तथ्यों की जांच करने के बाद ही प्रसारित करे।

यूपी के 7 जिलों में बाढ़, उत्तराखंड और हरियाणा में ओले गिरे

लखनऊ। देश के ज्यादातर राज्यों से मानसून लौट चुका है। हालांकि, मध्य प्रदेश के 16 जिलों में चक्रवात के असर के चलते अगले 3 दिन बारिश होने का अनुमान है। वहीं, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पंजाब में बारिश की संभावना है।पहाड़ों पर हुई बारिश से यूपी में 10 नदियां उफान पर हैं। लखनऊ और सीतापुर समेत 7 जिलों में और गोंडा के 10 गांवों में अभी भी बाढ़ है। लखनऊ के इटौंजा में बाढ़ के पानी के तेज बहाव में 6 दोस्त बह गए। एक की मौत हो गई। 5 को बचा लिया गया।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर ट्रक में घुसी कार, 3 टैनिस खिलाड़ियों की मौत

लखनऊ। यूपी के सुलतानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर आज तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार अटिंगा कार आगे चल रहे अज्ञात ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में कार सवार तीन टैनिस खिलाड़ियों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, कार में कुल 6 लोग सवार थे और सभी लखनऊ से देवरिया की ओर जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, झपकी आने से यह हादसा हुआ। कार की रफ्तार करीब 100 किमी प्रति घंटे रही होगी।

आज का कार्टून



गुजरात से दिल्ली तक का सफर... देश कहां पहुंचा, यही मेरा असली आकलन

25 साल की सत्ता यात्रा पर मोदी बोले.. हर संकट ने मुझे कुछ नया सिखाया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 25 साल का कार्यकाल पूरा किया। इस मौके पर उन्होंने यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में कार्यक्रमताओं को सम्बोधित किया। ‘विकसित भारत संकल्प सभा- सेवा ज्योति यात्रा’ के तहत आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा - मैं एंबीशन नहीं, मिशन के लिए जीने वाला ईसान हूं। जीवन में क्या बनूंगा, कभी सोचा ही नहीं। जिसने गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। उन्होंने कहा, ‘जिसने मेरा विरोध किया, उसने मुझे लोकतंत्र की शक्ति समझाई। मैंने ईश्वर से मांगा की कि सीखना कभी कम न हो।’ पीएम ने कहा, आज जितना पीछे मुड़कर देखता हूं, उतना कृतज्ञता का भाव ही आता है। हर घटना ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपनी पूरी जीवन यात्रा और अपने लगातार सीखने और सेवा के स्वभाव पर बात की। भारत की विकास यात्रा पर बोलते हुए पीएम ने कहा आज हर चीज में भारत सिरमौर है। टेक्नोलॉजी, खेल, उद्योग में भारत का तिरंगा लहरता है। आज पूरे विश्व में भारत के पायलट की चर्चा है। एक दिन वो भी आएगा, जब दुनिया मेड इन इंडिया प्लेन की चर्चा करेगी। ये लक्ष्य तभी पूरे होंगे, जब हम दूरदर्शी नीतियां बनाएं और परिश्रम की पराकाष्ठा करें। उन्होंने कहा, ‘ अब ये समय आराम का नहीं है। ये समय सोच के साथ आगे बढ़ने का है। हर लक्ष्य और कठिन काम को लेकर प्रतिज्ञा का है। 2047 में विकसित भारत - हम मिलकर कहते हैं - वी विल डू इट।

आकाशवाणी में घुसने पर राहुल-प्रियंका के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कई विपक्षी सांसदों के खिलाफ आकाशवाणी भवन में जबर्न घुसने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। शिकायत आकाशवाणी की ओर से की गई है। विपक्षी सांसद मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और



एसआईआर के विरोध में संसद से चुनाव आयोग तक मार्च निकाल रहे थे। पुलिस ने मार्च रोक दिया और कई नेताओं को बसों में बैठा लिया। राहुल और प्रियंका अचानक बस से उतरकर आकाशवाणी भवन के अंदर चले गए। दोनों परिसर में बराद के पेड़ के नीचे धरने पर बैठ गए। उनके साथ कई नेता और कार्यकर्ता रात करीब 8 बजे तक यहीं बैठे रहे।

मेट्रो एंकर

तीन दिन चली बैठक ... रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति का फैसला

महंगाई रोकने के लिए 4 साल बाद बढ़ी रेपो रेट... लोन महंगे, बढ़ेगी ईएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी

महंगाई पर लगाम लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दर बढ़ाने का बड़ा फैसला किया है। रिजर्व बैंक ने बुधवार को रेपो दर 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दी। करीब चार साल में यह पहली बढ़ोतरी है। इससे आने वाले दिनों में घर, कार, व्यक्तिगत और कारोबार के लिए बैंक से कर्ज लेना महंगा हो सकता है। पहले से कर्ज चुका रहे लोगों की मासिक किस्त यानी ईएमआई पर भी बढ़ोतरी का असर पड़ सकता है। हालांकि इसका असर हर कर्जदार पर एक जैसा नहीं होगा और बैंक अपनी ब्याज दरों में किस तरह बदलाव करते हैं, इस पर भी निर्भर करेगा।

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई मौद्रिक नीति समिति की तीन दिन की बैठक के बाद आज इसका एलान किया गया। प्रैल, जून और अगस्त की बैठकों में रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखी गई थी। अब रिजर्व बैंक ने

रेपो दर अब 0.25 बढ़कर 5.50 प्रतिशत



महंगाई के बढ़ते खतरे को देखते हुए अपना रुख सख्त किया है। रिजर्व बैंक के सामने सबसे बड़ी चिंता महंगाई को लेकर है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी, वैश्विक तनाव और खाद्य कीमतों पर दबाव के कारण आने वाले महीनों में महंगाई बढ़ने का खतरा है। इसी को देखते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए महंगाई का अनुमान भी 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया गया है। रिजर्व बैंक

आम आदमी की जेब पर सीधा असर

रेपो दर बढ़ने का सबसे बड़ा असर उन लोगों पर पड़ सकता है जो नया कर्ज लेने की योजना बना रहे हैं। घर खरीदने वालों के लिए गृह कर्ज, कार खरीदने वालों के लिए वाहन कर्ज और जरूरत के लिए व्यक्तिगत कर्ज महंगा हो सकता है। पहले से चल रहे कर्ज की किस्त भी बढ़ सकती है, खासकर ऐसे कर्ज जिनकी ब्याज दर समय-समय पर बदलती है। हालांकि बैंक तुरंत और कितनी दर बढ़ाएंगे, यह उनके अपने फैसले पर निर्भर करेगा। दूसरी ओर, ब्याज दर बढ़ने से बचत करने वालों को कुछ राहत मिल सकती है। बैंक जमा और संचयि जमा पर ब्याज दर बढ़ा सकते हैं। यानी कर्ज लेने वालों पर बोझ बढ़ने की आशंका है, जबकि बचत करने वालों को अधिक ब्याज मिलने का फायदा मिल सकता है।

आखिर है क्या रेपो दर ?

रेपो दर वह ब्याज दर है जिस पर रिजर्व बैंक बैंकों को कम अवधि के लिए पैसा देता है। जब रिजर्व बैंक यह दर बढ़ाता है तो बैंकों के लिए पैसा जुटाना महंगा हो जाता है। इसका असर आगे ग्राहकों को दिए जाने वाले कर्ज पर पड़ सकता है। जब रेपो दर घटती है तो बैंकों के लिए पैसा सस्ता होता है और कर्ज की दरें घटने की संभावना बढ़ती है। इस तरह रिजर्व बैंक रेपो दर के जरिए अर्थव्यवस्था में पैसे के प्रवाह, कर्ज और महंगाई को प्रभावित करता है।

का तर्क है कि ब्याज दर बढ़ने से बैंकों के लिए रिजर्व बैंक से पैसा लेना महंगा होगा। इसके बाद बैंक भी कर्ज की ब्याज दर बढ़ा सकते हैं। कर्ज महंगा

होने पर लोग घर, कार या कारोबार के लिए कम कर्ज लेते हैं। बाजार में खर्च और मांग कुछ कम होने से महंगाई पर दबाव घटाने में मदद मिल सकती है।



सागर के वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में अब चीतों की बसाहट

सागर, दोपहर मेट्रो

कूनों नेशनल पार्क में चीता प्रोजेक्ट की सफलता के बाद अब प्रदेश के वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही) में चीतों की बसाहट होने जा रही है। आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यहां कूनों से लाए जा रहे दो चीतों को रिलीज कर रहे हैं। इसके लिए मुहली रेंज में पांच बोमा तैयार किए गए हैं। करीब 439 हेक्टेयर क्षेत्र में चीतों की सुरक्षा और निगरानी के इंतजाम किए गए हैं।

मुख्यमंत्री आज यहां चीतों को रिलीज करने के साथ ही वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के समापन समारोह में शामिल होंगे। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। वन विभाग चीतों की निगरानी, सुरक्षा और स्वास्थ्य की लगातार मॉनिटरिंग करेगा। चीतों का आगमन सिर्फ वन्यजीव संरक्षण तक सीमित नहीं है। इससे सागर और बुंदेलखंड में पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। चीतों में बसाहट से देशभर में प्रदेश की नई पहचान बनी है।

ट्रिपल मर्डर: 300 रु. के लिए दंपती व नौकरानी की पेचकस से हत्या

देहरादून, एजेंसी। महज 300 रुपये की मजदूरी के विवाद ने तीन ज़िंदगियां लील लीं। यहां रायपुर की विष्णु लोक कालोनी में दिनदहाड़े घर में पल्लिबिंग का काम करने आए युवक ने आर्दिसेंस फैक्ट्री से सेवानिवृत्त अधिकारी और उनकी सेवानिवृत्त शिक्षिका पत्नी समेत काम करने वाली महिला घरेलू सहायिका की हत्या कर दी। पुलिस



मजदूरी मांगने लगा, जबकि बुजुर्ग दंपती आधे दिन के काम के 300 रुपये देने को तैयार थे। इसी बात को लेकर कहासुनी हुई और उसने बुजुर्ग दंपती व नौकरानी की पैचकस से निर्मम हत्या कर दी।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बुजुर्ग दंपती के घर पल्लिबिंग का काम करने आया था। उसने करीब दो घंटे काम किया व पूरे दिन की 600 रुपये

29 अक्टूबर से जारी होगा विंटर शेड्यूल

भोज एयरपोर्ट पर पिछले सितंबर से इस बार 11 फीसदी ज्यादा यात्री

भोपाल। दोपहर मेट्रो

29 अक्टूबर से विंटर सीजन शेड्यूल शुरू हो रहा है। इसमें भोपाल से कुछ नई उड़ानें प्रारंभ होने की उम्मीद है, कुछ नई एयरलाइंस के आने की भी संभावना है, लेकिन सितंबर माह में यात्रियों के आवागमन के मामले में भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने निराश किया है।

भले की एयरपोर्ट अथॉरिटी सितंबर 2025 की तुलना में सितंबर 2026 में 11 प्रतिशत यात्रियों की संख्या में इजाफे का दावा कर रहा हो लेकिन विमानों की संख्या साप्ताहिक मिलाकर जहां 17 पहुंच गई है। वहीं

सितंबर में केवल 115635 संख्या को कहीं से भी आशाजनक नहीं कहा जा सकता। प्रदेश इंदौर एवं भोपाल दो बड़े शहर हैं। लेकिन यात्रियों की संख्या के मामले में इंदौर लंबे समय से आगे है।

इतना ही नहीं, इंदौर से जहां सप्ताह में तीन दिन इंटरनेशनल उड़ान है, वहीं भोपाल के लिए पिछले एक दशक से अबूधाबी, दुबई या शारजहां व सिंगापुर के लिए केवल इंतजार ही किया जा रहा है। इंदौर में फ्लाइट की संख्या बढ़कर 90 पहुंच गई है, वहीं भोपाल में अभी तक यह 15 और साप्ताहिक मिलाकर 17 पर अटक की है।

न्यूज विडिो

आदेश नहीं माना, नगर निगम के तीन वार्ड प्रभारी सरपेंड

भोपाल। नगर निगम प्रशासन ने तीन वार्ड प्रभारियों को सस्पेंड कर दिया। दो एआरआई को अलग-अलग वार्ड का वार्ड प्रभारी बनाकर भेजा गया था। लेकिन दोनों ने ज्वॉइन नहीं किया। एक वार्ड प्रभारी ने टारगेट के मुताबिक प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली नहीं की थी। जोन 12 के वार्ड 58 के वार्ड प्रभारी राजेश मकोरिया को निगम प्रशासन ने टैक्स वसूली समीक्षा में कम वसूली पर सस्पेंड कर दिया। फरहा अशरफ को जोन 5 के वार्ड 23 की वार्ड प्रभारी और मो वसीम को जोन 17 से जोन 11 के वार्ड 41 का वार्ड प्रभारी बनाया था। दोनों ने आदेश का पालन नहीं किया।

चोरी की बाइक एक साल से चला रहा था, नंबर प्लेट झाड़ियों में छिपाई

भोपाल। जहांगीराबाद इलाके से करीब डेढ़ साल पहले चोरी हुई बाइक को आरोपी नंबर प्लेट निकालकर चला रहा था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को ऐशबाग के जनता क्वार्टर से गिरफ्तार कर चोरी की बाइक बरामद कर ली। आरोपी की पहचान जुनेद खान (22) निवासी जवाहर कॉलोनी, ऐशबाग के रूप में हुई है। आरोपी को खिलाफ भोपाल के अलग-अलग थानों में पहले से कई अपराधिक मामले दर्ज हैं और वह ऐशबाग थाना क्षेत्र में भी चोरी कर चुका है। पुलिस के अनुसार बैंक कॉलोनी, जिंसी निवासी फैजान खान ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 2 मई 2025 की रात उसने अपनी आर-वन 5 बाइक घर के सामने खड़ी की थी। सुबह करीब 5 बजे उठकर देखा तो बाइक गायब थी।

चाय-नाश्ते की दुकान पर अड़ीबाजी, बदमाश को पुलिस ने भेजा जेल

भोपाल। अयोध्या नगर इलाके में चाय-नाश्ते की दुकान पर अड़ीबाजी कर मुफ्त में सामान लेने और विरोध करने पर दुकानदार से मारपीट करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी की पहचान धर्मेन्द्र बंजारा (24) आधपुरी के रूप में हुई है। आरोपी ने इसी दिन एक बीटेक छात्र के साथ भी मारपीट की थी। पुलिस के अनुसार 21 सितंबर की रात खेड़ापति मंदिर के पास राहुल केवट चाय-नाश्ते की दुकान लगाए था। इसी दौरान धर्मेन्द्र दुकान पर पहुंचा और चाय मांगी। दुकानदार ने पहले पैसे देकर टोकन लेने को कहा। इस पर आरोपी ने कहा कि होटल में उसकी चलती है और उसके चाय-नाश्ते के पैसे नहीं लगते। दुकानदार ने सेट से बात करने की बात कही तो आरोपी गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतर आया।

ऑनलाइन 90 हजार भेजने का झांसा देकर महिला से ठगे 99 हजार

भोपाल। अरेरा हिल्स इलाके में शांतिर जालसाज ने महिला को फोन कर खुद को परिचित बताया और ऑनलाइन भुगतान नहीं हो पाने की बात कहते हुए उसके मोबाइल नंबर पर 90 हजार रुपए भेजने का झांसा दिया। महिला को फर्जी भुगतान का मैसेज भेजकर 6 बार में 99 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। महिला ने अरेरा हिल्स थाने में शिकायत की। ओम नगर बिरला मंदिर रोड की शकुंतला वर्मा को 3 अक्टूबर को शाम 6 बजे अज्ञात नंबर आए फोन पर कॉलर ने काश, मेरा ऑनलाइन पेमेंट नहीं हो रहा है। क्या आप व्हाट्सएप और फोन-पे चलाती हैं। महिला ने परिचित समझकर अपना नंबर बता दिया। इसके बाद ठग ने 90 हजार रुपए भेने का झूठा मैसेज शेयर किया। फिर उसने यही रुपए लौटाने की बात कही। महिला ने रुपए लौटाए और ठगी गई।

मां दुर्गा की मूर्तियों को अंतिम रूप दे रही बंगाली कलाकारों की कूची



भोपाल। शहर में दुर्गा उत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। शक्ति नगर इलाके में बंगाल से आए कलाकारों ने विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा ऑर्डर की गई मां दुर्गा की

प्रतिमाओं को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। पारंपरिक बंगाली शैली और आकर्षक विशेषताओं के साथ गढ़ी गई ये प्रतिमाएं विभिन्न पंडालों में विराजेंगी।

दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 20 शिक्षकों की कमी

190 विद्यार्थियों का भविष्य 10 शिक्षकों के भरोसे, बिगड़ा रिजल्ट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बेहतर भविष्य का सपना संजोए पढ़ रहे 190 दिव्यांग छात्र-छात्राएं को पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षक ही नहीं हैं। केसर बंगला, ईदगाह हिल्स स्थित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 30 शिक्षकों की जरूरत है। लेकिन विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए महज 10 शिक्षक ही पदस्थ हैं। शिक्षकों की कमी का असर विद्यार्थियों की पढ़ाई और परीक्षा परिणाम पर पड़ रहा है। शिक्षकों की कमी से स्कूल की ऐसी हालत हो गई कि पिछली परीक्षा में ही करीब 80 प्रतिशत विद्यार्थी फेल हो गए थे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के इस स्कूल में शिक्षकों के खाली पदों को भरने की कोई कवायद भी नहीं की गई है। बता दें कि इस स्कूल में भोपाल संभाग के विभिन्न जिलों से आए दृष्टि एवं श्रवण बाधित विद्यार्थी कक्षा पहली से 12वीं तक पढ़ाई करते हैं। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए उन्होंने कई बार विभाग और प्रशासन को प्रस्ताव भेजे। हर बार स्थायी शिक्षकों की भर्ती के लिए आवेदन दिए गए, लेकिन शिक्षकों की भर्ती नहीं की गई। शिक्षकों की कमी और विद्यार्थियों के रिजल्ट को देखने के बाद अब अभिभावकों की चिंता भी बढ़ गई है। वे अपने लाइलों के भविष्य के लिए कहीं और व्यवस्था देखने की बात कह रहे हैं। हालांकि विभाग शिक्षकों की भर्ती के फिर दावे कर रहा है।



स्कूल की ऐसी है हालत

- 190 दिव्यांग बच्चें
- 35 दृष्टि बाधित विद्यार्थी
- 155 सुनने और बोलने में अक्षम विद्यार्थी
- 30 शिक्षकों की है जरूरत स्कूल में
- 10 शिक्षक ही पदस्थ
- 20 शिक्षकों की कमी
- 02 शिक्षक सांकेतिक भाषा के मौजूद
- 06 अतिथि शिक्षक रखने की प्रक्रिया जारी
- 7 और 8 सितंबर को विद्यार्थियों ने मांगों को लेकर किया था प्रदर्शन

प्रदर्शन के बाद अतिथि शिक्षकों का सहारा

शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर विद्यार्थियों ने 7 और 8 सितंबर को दो दिन प्रदर्शन किया था। शिक्षकों की संख्या बढ़ाने व अन्य समस्याओं का निराकरण करने की

मांग की थी। इसके बाद विभाग ने फिलहाल छह अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था की प्रक्रिया शुरू की है। इससे पहले भी अतिथि शिक्षक नियुक्त किए गए थे, लेकिन कुछ समय बाद उनके चले जाने से पढ़ाई प्रभावित होती रही।

एक सप्ताह में होगी व्यवस्था: जेडी

सामाजिक न्याय जिला भोपाल के संयुक्त संचालक रामविलास सैमिल ने बताया कि शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए अभी अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था की जा रही है। एक सप्ताह में प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

गांधी नगर थाना क्षेत्र में देर रात हुई घटना

पीजी डॉक्टर ने महिला डॉक्टर व उसके भाई पर चलाई गोली, फिर फंदा लगाने का प्रयास

भोपाल। दोपहर मेट्रो

गांधीनगर थाना क्षेत्र के पतंजलि परिसर में मंगलवार रात एक डॉक्टर ने अपनी पूर्व प्रेमिका और उसके चचेरे भाई पर एयरगन से फायर कर दिया। इसके बाद आरोपी ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। दोस्तों की नजर पड़ी तो उसे फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

वहीं, घायल युवती और उसके चचेरे भाई को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद देर रात दोनों को छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने बताया, आरोपी डॉक्टर नवीन रहेला और डक्टर श्वेता ठाकुर एक ही कॉलोनी में



हत्या के प्रयास का केस

गांधीनगर पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। दोनों घायलों के बयान लिए जा रहे हैं। इसके बाद कार्रवाई होगी।

अलग-अलग मकानों में रहते हैं। दोनों आरकेडीएफ में पीजी कर रहे हैं।

करीब डेढ़ साल तक दोनों लिव-इन रिलेशन में रहे थे। छह महीने पहले उनका अलगाव हो गया था। सोमवार को श्वेता अपने चचेरे भाई आशुतोष ठाकुर के साथ गुजरात स्थित घर से भोपाल लौटी थी। मंगलवार रात 11 बजे नवीन श्वेता के घर पहुंचा।

बातचीत के बहाने वह घर के अंदर गया और श्वेता के सिर और उसके चचेरे भाई आशुतोष के सीने और पेट पर फायर कर दिया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने एयरगन से गोली चलाने की बात कही है। घटना के बाद वह अपने घर पहुंचा और फांसी लगाने का प्रयास किया। इसी दौरान उसके दोस्तों ने उसे देख लिया और अस्पताल पहुंचाया।

98 हजार उपभोक्ताओं ने नहीं कराई ई-केवायसी, कैसे जले चूल्हा

30 कॉलोनियों में पीएनजी लाइन नहीं, 15 हजार गैस कनेक्शन बंद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल में करीब 98 हजार परिवारों के सामने रसोई गैस का संकट खड़ा हो गया है। इनमें ई-केवाईसी नहीं कराने के कारण 83 हजार कनेक्शन बंद किए गए हैं। वहीं, 30 से ज्यादा कॉलोनियों के करीब 14-15 हजार कनेक्शन इसलिए ब्लॉक किए, क्योंकि गैस कंपनियों के रिकॉर्ड में वहां पीएनजी लाइन उपलब्ध बताई गई है। हकीकत यह है कि कई कॉलोनियों में पीएनजी लाइन ही नहीं है। कुछ कॉलोनियों में लाइन बिछ चुकी है, लेकिन घरों को कनेक्शन नहीं मिले हैं। ऐसे उपभोक्ता दो तरफ से फंस गए हैं।



जिस पीएनजी को उपलब्ध मानकर एलपीजी कनेक्शन बंद किया गया, उसका वे इस्तेमाल नहीं कर सकते। दूसरी ओर कनेक्शन ब्लॉक होने से सिलेंडर की बुकिंग भी नहीं हो रही है। परेशान रहवासी गैस एजेंसियों से संपर्क कर कनेक्शन चालू करने और सिलेंडर पहुंचाने की मांग कर रहे हैं। कंपनियों ने कहा है ई-केवायसी कराने के बाद कनेक्शन चालू कर दिए जाएंगे।

एनएबीएच मान्यता का मामला

सबसे ज्यादा निजी अस्पताल हैं भोपाल में, लेकिन कई पर एम्पैनलमेंट रद्द होने का खतरा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल के बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों पर 'मध्य प्रदेश आयुष्मान भारत निरामयम' (एएमपी-एबीएल) का एम्पैनलमेंट (पैनल से हटना) खोने का खतरा मंडरा रहा है। बार-बार समय सीमा बढ़ाए जाने और मार्च 2026 में अंतिम नोटिस जारी किए जाने के बावजूद इन अस्पतालों ने पूर्ण एनएबीच (नेशनल एक्रिटिडेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स) मान्यता नहीं ली है। प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों या देश के अन्य राज्यों की राजधानियों की तुलना में भोपाल में निजी अस्पतालों की संख्या काफी अधिक है।

मध्यप्रदेश आयुष्मान भारत निरामयम के अनुसार, राज्य में अभी कुल 1,953 अस्पताल पैनल में शामिल हैं। इनमें 813 निजी और 1,140 सरकारी अस्पताल शामिल हैं। इनमें से भी लगभग 423 अस्पताल भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में हैं। आंकड़े बताते हैं कि भोपाल में 213 निजी अस्पताल हैं। यह राज्य के कुल निजी अस्पतालों का 26% है। इसके बाद इंदौर है। वहां 100 निजी अस्पताल हैं। इसके बाद ग्वालियर और जबलपुर का नंबर है। विभाग का कहना है कि इतनी संख्या होने के बाद भी अस्पताल उदासीन हैं। वे एनएबीएच मान्यता लेने से पछेज कर रहे हैं।



51 अस्पतालों के पास पूर्ण एनएबीएच प्रमाण पत्र ही नहीं

प्रदेश के चार प्रमुख शहरों में, भोपाल के 51 निजी अस्पतालों के पास पूर्ण एनएबीएच मान्यता नहीं है। इसकी तुलना में इंदौर में 30, जबलपुर में 12 और ग्वालियर में 33 अस्पतालों के पास यह मान्यता नहीं है। ये स्वास्थ्य सुविधाएं मध्य-2024 से संचालित हो रही हैं, और पूर्ण एनएबीएच मान्यता प्राप्त करने के लिए मार्च 2026 में अंतिम नोटिस जारी किया गया था। एएमपी-एबीएच के सीईओ डॉ. अरविंद शाह ने बताया कि इंदौर जैसे प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों या लखनऊ जैसी अन्य राज्यों की राजधानियों की तुलना में भोपाल में निजी अस्पतालों की संख्या काफी अधिक है। इस साल मार्च में मान्यता रिन्यू के लिए अंतिम आदेश जारी किया था। इन अस्पतालों को पहले ही दो बार एक्सटेंशन दिया जा चुका है। एक बार एंटी-लेवल मान्यता खत्म होने के बाद उन्हें अब पूर्ण एनएबीएच प्रमाण पत्र के लिए ही आवेदन करना होगा।

आरोपी के दिल्ली या ग्वालियर में छिपे होने की आशंका

रिटायर्ड आईएएस की हत्या में केयरटेकर का पोस्टर जारी, सूचना देने पर 50 हजार रुपए इनाम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल की हत्या के एक सप्ताह बाद भी पुलिस मुख्य संदिग्ध और केयरटेकर वरुण कुमार को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। पुलिस ने अब आरोपी का पोस्टर जारी किया है और उसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना के लिए इनाम की राशि 30,000 रुपए से बढ़ाकर 50,000 रुपए कर दी है। यह पोस्टर भोपाल सहित पांच राज्यों के पुलिस थानों, सार्वजनिक स्थानों, रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों पर लगाए जाएंगे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी की गर्दन/गले पर बना बिच्छू का टैटू एक महत्वपूर्ण सुरांग है। इसे आसानी से हटाया नहीं जा सकता,



इसलिए लोग इसे देखकर आरोपी को पहचान सकते हैं।

पुलिस को वरुण कुमार के बारे में कोई ठोस सुरांग नहीं मिला। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी दिल्ली या ग्वालियर में छिपा हो सकता है। आरोपी मोबाइल का इस्तेमाल नहीं कर रहा है, जिससे उसकी लोकेशन

पोस्टर में जारी विवरण

आरोपी का नाम: वरुण कुमार
पिता: राजकुमार वाल्मीकि
उम्र: 27 साल
पता: आशा कॉलोनी, तहसील नाभा, जिला पटियाला, पंजाब
विशेष पहचान: गले पर बिच्छू का टैटू
संपर्क: क्राइम ब्रांच 9479990547
थाना रातीबड़: 9479990689

ट्रेस करना पुलिस के लिए कठिन हो गया है। बता दें, पिछले बुधवार को आरोपी ने पूर्व आईएएस राकेश अग्रवाल की गला रेतकर हत्या की गई थी। नकदी, मोबाइल व अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गया था। पुलिस ने उसका मोबाइल आगरा में परिचित से बरामद कर लिया है।

कजलीखेड़ा थाने में पदस्थ थे दोनों अफसर बदमाश की शादी में वर्दी पहनकर पहुंचे एसआई और एएसआई, दोनों निलंबित

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सोशल मीडिया पर वायरल हुए फोटो के बाद ड्यूटी के दौरान पुलिस वर्दी में निजी कार्यक्रम में शामिल होना कजलीखेड़ा थाने के दो पुलिस अधिकारियों को भारी पड़ गया। पुलिस उपायुक्त जोन-04 ने कजलीखेड़ा थाने में पदस्थ उप निरीक्षक श्रीकांत द्विवेदी और सहायक उप निरीक्षक जगदीश रघुवंशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के मुताबिक पुलिसकर्मी कर्तव्यस्थ समय में पुलिस गणवेश पहनकर निजी कार्यक्रम में उपस्थित थे। प्रथम दृष्टया पुलिसकर्मियों का यह कृत्य

अनुशासनहीनता, अशोभनीय और संदिग्ध आचरण की श्रेणी में पाया गया। साथ ही पुलिस रेगुलेशन के पैरा-64 में उल्लेखित सेवा की सामान्य शर्तों का उल्लंघन माना गया। इसे देखते हुए कार्रवाई की गई है।

सात दिन में मांगी जांच रिपोर्ट

पुलिस उपायुक्त ने मामले की प्राथमिक जांच के निर्देश भी दिए हैं। आदेश में सहायक पुलिस आयुक्त, चूनाभट्टी को प्रकरण की प्रारंभिक जांच पूर्ण कर सात दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश की प्रतिलिपि पुलिस आयुक्त समेत संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

मेट्रो एंकर

घटती हरियाली पर जताई चिंता, 5 साल में लगाए पौधों का हिसाब तलब, जियो टैग्ड तस्वीरें भी मांगी

एनजीटी ने मांगा हिसाब...10 लेन प्रोजेक्ट में काटे पेड़ों के बदले कितने पौधे लगाए, निगम को नहीं सूझा जवाब

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रत्नागिरी से आशाराम तिराहा तक बन रहे 10 लेन प्रोजेक्ट के लिए काटे गए पेड़ों के बदले 80 हजार पौधे लगाने के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सुनवाई की। नितिन स्वक्सेना की याचिका पर सुनवाई करते न्यायमूर्ति श्योकुमार सिंह (न्यायिक सदस्य) व सुधीर कुमार चतुर्वेदी (विशेषज्ञ सदस्य) की पीठ ने राज्य सरकार, वन विभाग और भोपाल निगम के दावों पर नाराज जताई।

एनजीटी ने वन विभाग और डीएफओ (पर्यावरण वानिकी मंडल) से सीधा सवाल किया है कि साल 2025 में पौधे लगाने के लिए जो राशि जमा कराई



गई थी, उससे साल 2026 के मानसून सत्र में पौधरोपण की कार्रवाई क्यों नहीं की गई। वहीं, नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) अन्य निजी सरकारी विकास एजेंसियों से पिछले पांच सालों में मिले फंड की जिलेवार रिपोर्ट मांगी। एनजीटी ने नगर निगम

सहित पर्यावरण वानिकी वनमंडल को निर्देश दिया कि वह पिछले 5 सालों में रोपे गए उन सभी पौधों का हिसाब लगाएं, जो पानी या रखरखाव की गंभी। ट्रिब्यूनल ने पेड़ काटे जाने के बाद तय मानकों के अनुसार पौधरोपण न करने चिंता जताई। एनजीटी ने कहा, यह पर्यावरण को गंभीर नुकसान

पहले भी निगम को दिया आदेश, अब 29 को सुनवाई

एनजीटी ने नगर निगम को पिछली सुनवाई में भी आदेश दिया था। इसके बाद भी निगम ने जवाब पेश नहीं किया। इस पर एनजीटी ने बीएमसी को अगली सुनवाई से पूर्व अनिवार्य रूप से जवाब देने का अंतिम अवसर दिया है। वहीं मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को 10 दिन में अपनी रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी। ट्रिब्यूनल ने पेड़ काटे जाने के बाद तय मानकों के अनुसार पौधरोपण न करने चिंता जताई। एनजीटी ने कहा, यह पर्यावरण को गंभीर नुकसान

पहुंचाने वाली स्थिति है। राजधानी भोपाल में हरियाली घटने के आंकड़ों पर भी ट्रिब्यूनल ने चिंता जताई। बता दें, एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच ने इससे पहले 2021-22 से 2025-26 के बीच नगर निगम को 6911 पेड़ काटने की अनुमति दी थी, लेकिन इनके बदले 24,706 पौधे लगाए जाने थे, लेकिन अब तक 19,152 ही लगाए गए थे। वहीं, पेड़ काटाई के एवज में 3.52 करोड़ रुपए जमा हुए थे, जबकि 1 जनवरी 2026 तक सिर्फ 95.85 लाख रुपए ही पौधारोपण और संबंधित कार्यों पर खर्च किए गए।

चिंता : इंदौर-उज्जैन समेत प्रदेश के 11 जिलों में सूखा इस मानसून 52% तक कम पानी गिरा; फील्ड सर्वे और ग्राउंड वेरिफिकेशन कराएगी सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के 11 जिले कमजोर मानसून की वजह से सूखे की चपेट में हैं। इनमें इंदौर और उज्जैन भी शामिल हैं। आलीराजपुर, धार और झाबुआ उन टॉप-5 जिलों में हैं, जहां सबसे कम बारिश हुई है। इनमें आलीराजपुर सबसे नीचे है, जहां 5.2ब कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। ऐसे में यहां पेयजल के साथ फसलों की पैदावार बुरी तरह से प्रभावित होगी। 11 में से 9 जिले ऐसे हैं, जो %सूखाग्रस्त% के पैमाने पर आ रहे हैं। इनमें इंदौर, उज्जैन, बैतुल, हरदा, नर्मदापुरम, रतलाम, झाबुआ, धार और आलीराजपुर हैं। शाजापुर और पाटुंगा में सिर्फ 3ब का अंतर है।

पाटुंगा में एक दिन पहले किसान, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को अपनी सूखी फसलें दिखा चुके हैं। 4 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ. यादव पाटुंगा पहुंचे थे। तब उनका काफिला किसानों ने रोक लिया था। हाथों में सूखी और मुरझाई फसलें लेकर पहुंचे किसानों ने जिले को तत्काल सूखाग्रस्त घोषित करने और कृषि कर्ज माफ करने की मांग की थी। स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री गाड़ी से नीचे उतरे और किसानों की समस्याएं सुनी थीं। अन्य जिलों में भी ऐसे ही हालात बन रहे हैं। सोयाबीन, मूंग, मक्का समेत अन्य खरीफ फसलों को नुकसान हुआ है। वहीं, आगामी रबी सीजन में पानी को लेकर दिक्रते बढ़ सकती है।

इंदौर-उज्जैन के साथ नर्मदापुरम संभाग में भी कम बारिश

मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक बताते हैं कि सामान्य से 26 प्रतिशत बारिश कम होने पर सरकार जिले को सूखाग्रस्त घोषित करती है। इस बार मालवा-निमाड़ ही नहीं, नर्मदापुरम संभाग में भी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है।



10 साल में तीसरी बार बने इस तरह के हालात

मध्य प्रदेश में साल 2015 के बाद अब 2026 में सूखे की स्थिति बन रही है। साल 2017 में 29.9 इंच, 2018 में 34.3 इंच और इस बार सामान्य से कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। वर्ष 2019 में 53 इंच, 2022 में 46 इंच और 2025 में 45.2 इंच पानी गिरा था। इस बार दोहरी मार पड़ी है। एक तो बारिश छितराई रही, दूसरे सामान्य से 4 फीसदी कम पानी गिरा। एक्सपर्ट की मानें तो सभी जिलों की गिरदावरी रिपोर्ट (फसल खराबी और अकाल के हालात, जिन्हें सरकारी भाषा में

अभावग्रस्त क्षेत्र कहा जाता है) कलेक्टरों के जरिए राजस्व विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग तक पहुंचेगी। हालांकि, सर्वे को लेकर अभी कवायद शुरू नहीं की गई है, लेकिन सिंचाई और पेयजल के हालात को देखते हुए टीमें जल्द ही मैदान में उतर सकती हैं। इसके बाद सरकार सूखा प्रभावित जिलों की संख्या सामने लाएगी। फिलहाल मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार साफ है कि इस बार 11 जिले सूखे की चपेट में आ रहे हैं। इन्हीं में सबसे कम पानी गिरा है।

एक्सपर्ट बोले- सरकार माइक्रो लेवल पर काम करे

मौसम विशेषज्ञ शैलेन्द्र कुमार नायक ने कहा- जिन जिलों में कम बारिश हुई, वहां पर सरकार को माइक्रो लेवल पर काम की शुरुआत कर देना चाहिए। पानी के इंतजाम, प्रतिबंध आदि पर अभी से नजर रखनी होगी। ठंड के बाद जब गर्मी बढ़ेगी, तब दिक्रते ज्यादा होंगी। इसलिए उपायों को अभी से कर लेना चाहिए।

पिछली बार 51 जिलों में 121% तक ज्यादा बारिश थी

साल 2025 में मानसून जमकर बरसा था। कुल 3 महीने 28 दिन मानसून बरसा और 10 साल में तीसरी बार सबसे ज्यादा पानी गिरा था। वहीं, भोपाल, ग्वालियर समेत 30 जिले ऐसे थे, जहां %बहुत ज्यादा% बारिश दर्ज की गई थी। ओवरऑल सबसे ज्यादा बारिश वाला जिला गुना रहा था। जहां पूरे सीजन 65.7 इंच पानी गिरा जबकि श्योपुर में औसत के मुकाबले 216.3ब बारिश हुई थी। शाजापुर ऐसा जिला था, जहां सबसे कम 28.9 इंच (81.1ब) ही बारिश हुई थी। 51 जिलों में कोटे से ज्यादा बारिश दर्ज की गई थी। इस बार 25 जिलों में ही सामान्य से ज्यादा पानी गिरा है जबकि 30 जिलों में आंकड़ा कम रहा। सबसे कम बारिश वाले जिलों में शाजापुर 11वें नंबर पर रहा है।

मौसम विभाग की भविष्यवाणी सटीक रही

बता दें कि मौसम विभाग ने इस बार प्रदेश में सामान्य से कम बारिश होने के संकेत दिए थे। प्रदेश में 90 से 95ब तक बारिश होने का अनुमान बताया था। मौसम विभाग की भविष्यवाणी सटीक रही और कम बारिश हुई।

28 अक्टूबर को अर्बन कॉन्क्लेव में जुटेंगे विशेषज्ञ

छोटे शहरों से स्मार्ट शहरों तक इंदौर में बनेगा मप्र के नगरीय विकास का नया रोडमैप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में नगरीय विकास को नई दिशा देने और शहरों में आधुनिक अधोसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से 28 अक्टूबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में अर्बन कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा आयोजित इस आयोजन में शहरों के सुनियोजित विकास, निवेश, तकनीक और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श होगा। कॉन्क्लेव में राज्य सरकार के नगरीय विकास के विजन को भी साझा किया जाएगा।

श्रेणी-दो के शहरों पर रहेगा विशेष फोकस

कॉन्क्लेव में महानगरों के साथ-साथ श्रेणी-दो के शहरों के विकास पर विशेष चर्चा होगी। शहरों में पुन:घनीकरण, परिवहन आधारित विकास, आवास, पुनर्विकास, मास्टर प्लान, विकास गलियारों और विकास अधिकार हस्तांतरण जैसे विषयों पर विशेषज्ञ विचार रखेंगे। निवेश को आसान बनाने, अनुमति प्रक्रिया को सरल करने और अनापत्ति प्रमाण-पत्रों की संख्या कम करने पर भी चर्चा होगी।

नगरीय प्रशासन को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए डिजिटल व्यवस्था पर विशेष जोर रहेगा। भवन निर्माण अनुमति, ऑनलाइन स्वीकृतियां, भौगोलिक



जल, हरियाली और स्वच्छता पर भी जोर

जलवायु अनुकूल शहरों के निर्माण और जल सुरक्षा के लिए जल पुनः उपयोग, जल प्रबंधन और हरित योजनाओं पर चर्चा होगी। शहरों में हरित क्षेत्र, केंद्रीय उद्यान, वायु गुणवत्ता सुधार, विद्युत वाहन, ठोस कचरा प्रबंधन और कचरे से ऊर्जा उत्पादन जैसे विषय भी कॉन्क्लेव का हिस्सा होंगे। सौर ऊर्जा और जैव ईंधन आधारित व्यवस्थाओं को बढ़ावा देने पर भी विचार होगा। शहरी विकास के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन जुटाने पर भी विशेषज्ञ मंथन करेंगे। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी, हरित बांड, नगर निकाय बांड, संयुक्त उपक्रम, बहुपक्षीय संस्थाओं से वित्त पोषण और अनुदान जैसे विकल्पों पर चर्चा होगी। इससे बड़ी नगरीय परियोजनाओं को गति देने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

सूचना प्रणाली आधारित नियोजन, डिजिटल प्रशासन और परियोजना प्रबंधन से जुड़े विषयों पर मंथन किया जाएगा। इसका उद्देश्य नागरिकों को तेज और सरल सेवाएं उपलब्ध कराना तथा निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है।

सीएम बोले-पर्यटन, संस्कृति को डिजिटल मंच पर मिलेगी नई पहचान

मध्यप्रदेश की विरासत को दुनिया तक पहुंचाएंगे सोशल मीडिया इन्प्लुएंसर्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक संपदा, वन्यजीवन और सांस्कृतिक विविधता को देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया इन्प्लुएंसरस महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश की समृद्ध विरासत और स्थानीय अनुभवों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने के लिए सरकार इन्प्लुएंसरस को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्थानीय सयाजी होटल में आयोजित मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट (एमपीटीएम) 2026 के तहत राष्ट्रीय स्तर की इन्प्लुएंसरस मीट को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में देशभर से 200 से अधिक सोशल मीडिया इन्प्लुएंसरस शामिल हुए और उन्होंने मुख्यमंत्री से सीधे संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश वीरांगना रानी दुर्गावती जैसी साहसी नारियों की कर्मभूमि रहा है, जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अतुलनीय मित्रता का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की धरती इतिहास, आस्था और मानवीय मूल्यों की अनेक गौरवशाली कहानियों को अपने भीतर समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में विलुप्ति की कगार पर पहुंचे चीतों की सफल बसाहट भी प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। आज मध्यप्रदेश ऐतिहासिक विरासत के साथ वन्यजीवन और प्राकृतिक पर्यटन के क्षेत्र में भी नई पहचान बना रहा है।



विरासत से आधुनिक पर्यटन तक नवाचार

मुख्यमंत्री ने पर्यटन क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उज्जैन में स्कुल की पुरानी इमारत को सम्राट विक्रमादित्य होटल में परिवर्तित करना एक सफल प्रयोग है। प्रदेश में होमस्टे भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्रीनगर की डल झील की तर्ज पर अब भोपाल के भोजताल में भी पर्यटक शिकारों की सवारी का आनंद ले रहे हैं। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ.

इलैया राजा टी. ने कहा कि प्रदेश में फिल्म निर्माण के लिए समृद्ध और अनुकूल इको-सिस्टम विकसित किया जा रहा है। लक्ष्य केवल फिल्म शूटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि पोस्ट-प्रोडक्शन सहित संपूर्ण फिल्म निर्माण का हब मध्यप्रदेश को बनाना है। प्रदेश की विविध लोकेशन, प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध संस्कृति फिल्म निर्माताओं के लिए इसे आकर्षक डेस्टिनेशन बनाती हैं।

थानीय नजरिए से सामने आएंगी अनकही कहानियां

प्रसिद्ध शेफ एवं टेलीविजन पर्सनलटी रणवीर बरार, अभिनेता अमित सियाल और कंटेंट क्रिएटर मारुफ कलमन ने कहा कि मध्यप्रदेश की वास्तविक और खूबसूरत कहानियों को समझने के लिए यहां आना और स्थानीय लोगों से जुड़ना जरूरी है। किसी स्थान को स्थानीय नजरिए से देखने पर ही उसकी असली पहचान और अनकही कहानियां सामने आती हैं। कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले इन्प्लुएंसरस को नौ श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

रैंकेशन शो में दिव्नी प्रदेश की हस्तशिल्प विरासत हैडलूम और आर्ट एंड क्राफ्ट को केंद्र में रखकर विशेष फैशन शो आयोजित किया गया। इसमें प्राणपुर, महेश्वर, कुशी, धार, केरियाखेड़ी और भैरवगढ़ के क्राफ्ट एवं हैडलूम विलेज की थीम को आधुनिक फैशन के साथ प्रस्तुत किया गया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक शिल्प और हथकरघा को पर्यटन से जोड़कर नए बाजार और उपभोक्ताओं तक पहुंचाना है।

4 गांवों की 2134 हेक्टेयर जमीन पर सैटेलाइट सिटी; नहीं मिलेगा सीवेज

नर्मदा बचाने अमरकंटक से दूर बसेगा नया शहर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक पर बढ़ते पर्यटन और व्यावसायिक दबाव को कम करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार अब नई सैटेलाइट सिटी विकसित करने जा रही है। इसका उद्देश्य अमरकंटक के संवेदनशील उद्गम क्षेत्र को अनियंत्रित निर्माण और बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों से बचाना है। प्रस्तावित सैटेलाइट सिटी मुख्य क्षेत्र से दूर चार गांवों की 2,134.14 हेक्टेयर जमीन पर विकसित की जाएगी। यहां होटल, रेस्टॉरेंट, आवासीय क्षेत्र और अन्य सुविधाओं को सुनियोजित तरीके से विकसित किया जाएगा, ताकि पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही का दबाव सीधे नर्मदा उद्गम क्षेत्र पर न पड़े।



7 हजार से बढ़कर 11,657 हेक्टेयर हुआ निवेश क्षेत्र

अमरकंटक के विकास की नई योजना के तहत निवेश क्षेत्र का दायरा भी बढ़ाया गया है। पहले करीब 7 हजार हेक्टेयर क्षेत्र निवेश क्षेत्र में शामिल था, जिसे अब बढ़ाकर 11,657 हेक्टेयर से अधिक कर दिया गया है। नए क्षेत्र में अमरकंटक के मुख्य हिस्से के साथ प्रस्तावित सैटेलाइट सिटी और आसपास के अन्य क्षेत्र शामिल किए गए हैं। सरकार का प्रयास है कि आने वाले वर्षों में अमरकंटक का विकास बेतरतीब तरीके से न होकर निर्धारित योजना के अनुसार हो।

केंद्रीय संगठन से मिली हरी झंडी

प्रदेश में कांग्रेस की नई टीम एक महीने में होगी तैयार, जल्द होंगी नई नियुक्तियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में कांग्रेस की नई टीम अगले एक माह में तैयार होगी। केंद्रीय संगठन से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसके लिए हरी झंडी ले ली है। तय किया गया है कि अब प्रदेश कार्यकारिणी को भंग करने के स्थान पर निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटाकर नई नियुक्तियां की जाएंगी। वहीं, विभाग और प्रकोष्ठों में भी क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए नियुक्तियां होंगी। प्रदेश में कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान चलाकर जिला अध्यक्ष नियुक्त किए और फिर ब्लॉक अध्यक्ष भी क्षेत्र के वरिष्ठ नेता, स्थानीय विधायक और जिला अध्यक्षों से विचार-विमर्श के बाद



नियुक्त किए गए। इन्हें अपनी टीम बनाने की स्वतंत्रता भी दी गई। जिला इकाइयों के कामकाज की पिछले माह केंद्रीय संगठन ने समीक्षा की तो उसमें कुछ का प्रदर्शन कमतर आंका गया। तय किया गया कि जिला अध्यक्षों को बदला जाएगा। इसका एक आधार आगामी चुनाव में जिला अध्यक्षों की भूमिका भी है।

गतिविधियां ठप

वहीं, विभाग और प्रकोष्ठों की समीक्षा में भी प्रदर्शन संतोषजनक नहीं पाए जाने पर प्रदेश इकाई के सभी विभागों और प्रकोष्ठों को भंग कर दिया गया। प्रदेश कार्यकारिणी को भंग करके नई टीम बनाने के संकेत-संदेश भी दिए गए। इसके चलते दो माह से संगठन की गतिविधियां पूरी तरह ठप हो गई हैं। सूत्रों का कहना है कि पिछले दिनों पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी को राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से संगठन में नियुक्तियों को लेकर चर्चा हो चुकी है।

कांग्रेस नेता आशीष तिवारी ने किया दावा

राहुल गांधी के नेतृत्व में देशभर में गूंजेगी लोकतंत्र की बुलंद आवाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता एवं पार्टी के प्रचारक आशीष तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी लोकतंत्र की आवाज और संविधान के सजग प्रहरी हैं। वे देश के मतदाताओं के अधिकार, चुनावी पारदर्शिता और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही से जुड़े सवाल लगातार मजबूती से उठा रहे हैं। तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी और विपक्ष के सांसदों की आवाज को पुलिस, बैरिकेड या सत्ता के दबाव से रोकने की कोशिश हो सकती है, लेकिन जनता के सवाल तो नहीं। स्टूड्रक और मतदाता सूची को लेकर उठे सवालों का जवाब रोकने के बजाय चुनाव

आयोग को तथ्य और रिकॉर्ड के साथ देश के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सत्ता के दबाव और संरक्षण में काम करने के बजाय विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर उनके सवालों पर प्रभावी, पारदर्शी और तथ्यात्मक संवाद कर अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी सिर्फ विपक्ष की आवाज नहीं, बल्कि करोड़ों मतदाताओं के अधिकारों की आवाज बनकर सवाल उठा रहे हैं। उनकी आवाज रोकने से लोकतंत्र के सवाल नहीं रुकेगे।

मेट्रो एंकर

तानसेन की स्मृतियों को सहेजने बनेगा म्यूजियम ऑफ म्यूजिक

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

संगीत सम्राट तानसेन की स्मृतियों और भारतीय संगीत की समृद्ध विरासत को सहेजने के लिए ऐतिहासिक मोतीमहल परिसर में म्यूजियम ऑफ म्यूजिक का निर्माण किया जाएगा। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने इस संग्रहालय के निर्माण हेतु 19.18 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया है। पर्यटन बोर्ड ने परियोजना के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसके अंतर्गत तकनीकी बोली की जांच पूरी की जा चुकी है। अब वित्तीय बोली की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अंतिम रूप से चयनित एजेंसी को निर्माण कार्य का वर्क ऑर्डर जारी किया जाएगा।



अधिकारियों को उम्मीद है कि वित्तीय बोली की प्रक्रिया इसी महीने पूरी कर ली जाएगी। प्रक्रिया पूरी होते ही चयनित कंपनी काम की शुरुआत करेगी। इस पूरी परियोजना की थीम संगीत और भारतीय शास्त्रीय संगीत की

संगीत के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है।

म्यूजियम ऑफ म्यूजिक का निर्माण मोतीमहल परिसर में स्थित संभागायुक्त के पुराने कार्यालय के हॉल और कमरों में किया जाएगा। यह एक संगीत साधना और उनसे जुड़ी महत्वपूर्ण स्मृतियों को विशेष गैलरी के जरिये प्रदर्शित किया जाएगा। पर्यटन बोर्ड का उद्देश्य इस स्थल को शास्त्रीय

मोतीमहल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

मोतीमहल ग्वालियर की ऐतिहासिक विरासत का एक मुख्य अंग है। सिंधिया राजवंश के दौरान निर्मित यह भवन लंबे समय तक राजपरिवार की गतिविधियों और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़ा रहा। स्वतंत्रता के बाद भी मोतीमहल का महत्व बना रहा और यहां कई महत्वपूर्ण शासकीय कार्यालय चलाते रहे। यह परिसर ग्वालियर संभाग के प्रशासनिक केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाए रहा। अपनी भव्य वास्तुकला, विशाल परिसर और ऐतिहासिक महत्व के कारण मोतीमहल शहर के प्रमुख विरासत स्थलों में शामिल है।

नो एडा की एक ऊंची इमारत से एक युवक की मौत की खबर आती है। कुछ घंटों के लिए शहर ठिठकता है। सोशल मीडिया पर तस्वीरें दौड़ती हैं, संवेदनाएं लिखी जाती हैं और फिर अगली खबर सब कुछ ढक देती है। यही हमारी सबसे बड़ी विडंबना है- हम मौत पर शोक मनाते हैं, लेकिन उन परिस्थितियों पर सवाल नहीं करते जो किसी इंसान को भीतर से तोड़ती रहती हैं। किसी आत्महत्या के पीछे एक कारण तलाश लेना आसान है, लेकिन जीवन इतना सरल नहीं। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां, पारिवारिक तनाव, रिश्तों में दरार, बीमारी, आर्थिक

दबाव, अकेलापन और सामाजिक अपेक्षाएं कई बार एक-दूसरे से जुड़कर संकट को गहरा करती हैं। इसलिए किसी घटना पर जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालना उचित नहीं। फिर भी आंकड़े चेतावनी देते हैं। एनसीआरबी के अनुसार 2023 में देश में 1,71,418 आत्महत्याएं दर्ज हुईं। पुलिस रिकॉर्ड में पारिवारिक समस्याएं 31.9 प्रतिशत और बीमारी 19 प्रतिशत प्रमुख श्रेणियां थीं। दिवालियापन या कर्ज से जुड़े मामले 3.8 प्रतिशत दर्ज हुए। ये आंकड़े अंतिम कारण नहीं, लेकिन संकेत जरूर हैं कि संकट

खबर खत्म, सवाल बाकी

केवल व्यक्ति के भीतर नहीं होता। कई बार परिवार, अर्थव्यवस्था, समय रहते पहचान नहीं पाते। आज युवा पहले से अधिक 'कनेक्टेड' है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह जुड़ा हुआ भी हो। मोबाइल में सैकड़ों संपर्क और सोशल मीडिया पर हजारों लोग हैं, फिर भी मन की बात कहने वाला कोई नहीं। दूसरों की चमकदार जिंदगी देखकर अपने जीवन को कमतर समझने की तुलना भी दबाव बढ़ा सकती है। हमने सफलता को अंक, कॉलेज, नौकरी,

पैकेज और पद में बांध दिया है। बच्चों से कहा-सबसे आगे रहो; यह नहीं बताया कि पीछे रह जाना जिंदगी का अंत नहीं। 2023 में परीक्षा में असफलता से जुड़े मामले कुल दर्ज आत्महत्याओं के 1.4 प्रतिशत थे। संख्या छोटी दिख सकती है, लेकिन हर संख्या के पीछे एक परिवार और अधूरा भविष्य है। परिवारों को सिर्फ अंक, नौकरी और कमाई नहीं पूछनी चाहिए। यह भी पूछना होगा- 'तुम भीतर से ठीक हो?' साथ रहना पर्याप्त नहीं, सुनना जरूरी है। लगातार चुप्पी, लोगों से कटना, व्यवहार में बदलाव या असहायता को नजर अंदाज करना खतरनाक हो सकता है।

फॉर्म 6 में बदलाव पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और विश्वसनीयता का सवाल

सौरभ वाष्पॉय
स्तंभकार



भारत में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की संवैधानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र में नागरिक के सबसे महत्वपूर्ण अधिकार मताधिकार का आधार हैं। इसलिए मतदाता सूची में किसी भी प्रकार का बदलाव, संशोधन या नई प्रक्रिया केवल प्रशासनिक निर्णय भर नहीं माना जा सकता। इसके पीछे कानून, पारदर्शिता और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता जुड़ी होती है। ऐसे में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान मतदाता पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म-6 में कथित बदलाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी बेहद महत्वपूर्ण है।

सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि उसने फॉर्म-6 में इस प्रकार के किसी बदलाव को मंजूरी नहीं दी थी। अदालत ने यह जानने की इच्छा जताई है कि आखिर यह बदलाव किसके स्तर पर हुआ और इसके पीछे निर्णय लेने की पूरी प्रक्रिया क्या थी। सीजेआई सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि यदि कोई गैर-कानूनी काम हुआ है तो उसके परिणाम भुगतने होंगे, मामले की गंभीरता को स्पष्ट करती है। यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि किसी वैधानिक प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाले फॉर्म में बदलाव किया गया, तो वह किस अधिकार के तहत किया गया? क्या यह निर्णय चुनाव आयोग के स्तर पर सामूहिक रूप से लिया गया? क्या सचिव चुनाव आयुक्तों की सहमति इसमें थी? क्या इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया? और सबसे महत्वपूर्ण क्या इस बदलाव की जानकारी सार्वजनिक रूप से दी गई थी?

लोकतंत्र में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की ताकत केवल उसके अधिकारों में नहीं, बल्कि उसकी निष्पक्षता और सार्वजनिक विश्वास में होती है। चुनाव आयोग पर किसी एक राजनीतिक दल या सरकार का प्रभाव होने का संदेह भी लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए आयोग के प्रत्येक निर्णय में प्रक्रिया की पारदर्शिता उतनी ही आवश्यक है, जितना उसका अंतिम परिणाम। फॉर्म 6 का मामला इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि यह नए मतदाताओं के पंजीकरण से संबंधित है। यदि इस प्रक्रिया में कोई अतिरिक्त घोषणा, दस्तावेज या शर्त जोड़ी जाती है, तो उसका सीधा प्रभाव नागरिक के मतदाता बनने के अधिकार पर पड़ सकता है। किसी पात्र नागरिक को केवल प्रक्रिया की जटिलता के कारण मताधिकार से वंचित होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं माना जा सकता। एसआईआर को लेकर पहले से ही राजनीतिक विवाद चल रहा है। निष्पक्ष दल इस प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि बड़ी संख्या में मतदाता इससे प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर चुनाव आयोग का तर्क अपनी जगह है। ऐसे माहौल में यदि फॉर्म 6 जैसे बुनियादी दस्तावेज में बदलाव को लेकर भी अस्पष्टता पैदा होती है, तो स्वाभाविक रूप से संदेह और बढ़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक और महत्वपूर्ण पहलू उठाया है निर्णय लेने की संस्थागत प्रक्रिया।



अदालत यह जानना चाहती है कि एसआईआर से संबंधित निर्णय केवल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने लिए या फिर चुनाव आयोग ने उन्हें बहुमत अथवा सर्वसम्मति से मंजूरी दी। यह प्रश्न केवल वर्तमान विवाद तक सीमित नहीं है। यह चुनाव आयोग के भीतर सामूहिक निर्णय प्रणाली और संवैधानिक जवाबदेही से भी जुड़ा हुआ है। चुनाव आयोग कोई व्यक्तिगत संस्था नहीं है। यह एक संवैधानिक संस्था है और उसके निर्णय संस्थागत होने चाहिए। यदि किसी मामले में सर्वसम्मति नहीं बनती, तो कानून के अनुसार निर्णय लेने की निर्धारित प्रक्रिया का पालन होना चाहिए। यदि कोई महत्वपूर्ण निर्णय केवल एक व्यक्ति के स्तर पर लिया गया हो और बाकी सदस्यों की भूमिका नागण्य कर दी गई हो, तो स्वाभाविक रूप से संस्थागत संतुलन पर प्रश्न उठेंगे।

हालांकि, इस पूरे मामले में जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालना भी उचित नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल मुख्य चुनाव आयुक्त को निलंबित करने संबंधी अंतरिम आदेश देने से इनकार किया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल अखबार की रिपोर्ट के आधार पर कोई आदेश नहीं दिया जा सकता। यह न्यायिक संयम लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण संदेश है।

अदालत ने चुनाव आयोग से रिकॉर्ड मांगा है। यही रिकॉर्ड अब इस विवाद की वास्तविक तस्वीर सामने लाएगा। यदि रिकॉर्ड यह साबित करता है कि सभी निर्णय नियमों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लिए गए थे, तो विवाद का एक बड़ा हिस्सा स्वतः समाप्त हो जाएगा। लेकिन यदि रिकॉर्ड से यह सामने आता है कि किसी महत्वपूर्ण

निर्णय को आवश्यक संस्थागत सहमति के बिना लागू किया गया, तो फिर सवाल केवल फॉर्म 6 तक सीमित नहीं रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल केवल एक सवाल उठाया है कि फॉर्म 6 में बदलाव आखिर किसने किया? लेकिन इस सवाल के पीछे लोकतंत्र का इससे भी बड़ा प्रश्न छिपा है कि क्या चुनावी प्रक्रिया में लिए जाने वाले प्रत्येक निर्णय का संस्थागत और वैधानिक हिसाब जनता के सामने होना चाहिए? इसका उत्तर निश्चित रूप से हां है। क्योंकि चुनाव केवल वोट डालने का दिन नहीं है। चुनाव उस पूरी प्रक्रिया का नाम है जिसमें मतदाता सूची से लेकर मतदान केंद्र और मतगणना तक हर कदम पर नागरिक का विश्वास कायम रहना चाहिए। यदि इस विश्वास में दरार आती है तो उसका नुकसान किसी एक राजनीतिक दल को नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र को होता है। इसलिए अब निगहें सुप्रीम कोर्ट में पेश होने वाले चुनाव आयोग के रिकॉर्ड पर हैं। रिकॉर्ड बताएगा कि फॉर्म 6 में बदलाव वास्तव में किसने किया, किस अधिकार से किया और किस प्रक्रिया के तहत किया। यदि सब कुछ कानून के अनुरूप है तो संदेह दूर होना चाहिए और यदि कहीं नियमों की अनदेखी हुई है तो जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। लोकतंत्र में चुनाव की पवित्रता केवल निष्पक्ष मतदान से नहीं बल्कि निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से सुनिश्चित होती है। मतदाता का अधिकार किसी भी प्रशासनिक सुविधा से बढ़ा है और इसी कसौटी पर हर चुनावी निर्णय को परखा जाना चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

हमारा हृदय दिन-रात बिना रुके धड़कता रहता है। हर धड़कन के साथ वह सिकुड़ता और फिर ढीला पड़ता है, ताकि शरीर के हर हिस्से तक रक्त पहुंचता रहे। लेकिन हृदय की मांसपेशियां अपने आप एक साथ नहीं सिकुड़ती। इसके पीछे एक बेहद व्यवस्थित विद्युत तंत्र काम करता है, जो तय करता है कि हृदय का कौन-सा हिस्सा कब सिकुड़ेगा और कब ढीला होगा। इसी व्यवस्था के कारण हर धड़कन एक निश्चित क्रम में पूरी होती है। **प्राकृतिक चालक कहाँ होता है?:** हृदय की सामान्य धड़कन की शुरुआत दाहिने ऊपरी कक्ष की ऊपरी दीवार में मौजूद एक छोटे से विशेष ऊतक से होती है, जिसे साइनोएट्रियल नोड या एसए नोड कहा जाता है। इसे हृदय का प्राकृतिक चालक कहा जाता है। यह विशेष कोशिकाएं स्वयं नियमित विद्युत संकेत पैदा

कर सकती हैं। सामान्य अवस्था में वयस्क व्यक्ति के आराम के समय यह संकेत लगभग 60 से 100 बार प्रति मिनट की धड़कन की लय बना सकता है।

एसए नोड से निकला विद्युत संकेत सबसे पहले हृदय के दोनों ऊपरी कक्षों यानी आलिंदों में फैलता है। इससे आलिंद सिकुड़ते हैं और उनमें मौजूद रक्त नीचे के कक्षों यानी निलयों में पहुंचता है। इसके बाद यही संकेत अगले पड़ाव की ओर बढ़ता है।

एवी नोड क्यों जरूरी है?: विद्युत संकेत इसके बाद एट्रियोवेंट्रिक्यूलर नोड यानी एवी नोड तक पहुंचता है। यहां संकेत



कुछ क्षण के लिए धीमा हो जाता है। यह छोटी-सी देरी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे आलिंदों को अपना रक्त निलयों में पहुंचाने का पर्याप्त समय मिल जाता है। इसके बाद संकेत आगे बढ़ता है और हृदय के निचले कक्षों तक पहुंचता है। एवी नोड के बाद विद्युत संकेत फिर से धीमा हो जाता है। यह दायें और बाएं हिस्से में बंटकर निलयों तक पहुंचता है। संकेत मिलते ही दोनों निलय सिकुड़ते हैं और रक्त को फेफड़ों तथा शरीर के बाकी हिस्सों की ओर पंप करते हैं। इस तरह एक धड़कन पूरी होती है।

धड़कन तेज या धीमी क्यों होती है?: हृदय की गति हमेशा एक जैसी नहीं रहती। शारीरिक मेहनत, तनाव या उत्तेजना के समय शरीर को अधिक रक्त और ऑक्सीजन की जरूरत होती है, इसलिए धड़कन तेज हो सकती है। आराम या नींद के दौरान यह गति कम हो जाती है। इस बदलाव को शरीर का स्वायत्त तंत्रिका तंत्र नियंत्रित करता है। **कब हो सकती है परेशानी?:** यदि हृदय की विद्युत प्रणाली में कहीं रुकावट या गड़बड़ी हो जाए तो धड़कन बहुत धीमी, बहुत तेज या अनियमित हो सकती है। ऐसी स्थिति में धड़कन महसूस होना, चक्कर आना, बेहोशी, थकान, सांस फूलना या सीने में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसी शिकायतों को सामान्य मानकर टालना नहीं चाहिए।

निशाना

क्या करोगे जानकर!



मनोज निडर

धूल ये किसने उड़ाई, क्या करोगे जानकर।
आँख में क्यों धुंध छाई, क्या करोगे जानकर।
'रूप' ने श्रृंगार बाँचा, नैन गदगद हो गए,
छंद था या थी रुबाई, क्या करोगे जानकर।
सुखियों की भूख में जब रोशनाई बिक गई,
किस तरह क्रीमत चुकाई, क्या करोगे जानकर।
सामने जो आ गया है, बस वही सच मानिए,
चाल ये किसने चलाई, क्या करोगे जानकर।
रात को जब झुग्गीयों से आ मिली ठंडी हवा,
आग किसने थी लगाई, क्या करोगे जानकर।
दे दिया धक्का तुम्हें जब, राह में दिलदार ने,
इस्क था या बेवफाई, क्या करोगे जानकर।
पूछते हो तुम 'निडर' क्यों इस जमाने का चलन,
झूठ, धोखा, बेहयाई, क्या करोगे जानकर।

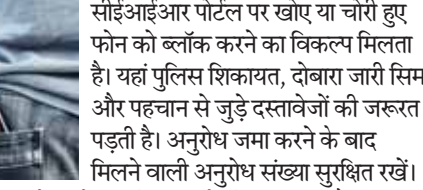
यूजर्स गाइड

फोन चोरी या गुम हो जाए तो कुछ स्टेप्स फॉलो करने से वापस मिलने की बढ़ जाएगी उम्मीद

आज स्मार्टफोन सिर्फ बात करने का साधन नहीं है। इसमें बैंकिंग से लेकर जरूरी दस्तावेज, तस्वीरें, संपर्क और कई निजी जानकारीयां सुरक्षित रहती हैं। इसलिए फोन गुम या चोरी होने पर घबराने के बजाय तुरंत कुछ जरूरी कदम उठाना चाहिए। जितनी जल्दी कार्रवाई होगी, फोन के गलत इस्तेमाल का आशंका उतनी ही कम होगी और उसे वापस पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

पहला काम: फोन को तुरंत खोजने की कोशिश करें। एंड्रॉयड फोन में गूगल के फाईंड हब और आईफोन में फाईंड माई सुविधा से फोन की स्थिति देखी जा सकती है। फोन चालू और संबंधित सुविधा सक्रिय होने पर उसका स्थान मानचित्र पर दिखाई दे सकता है। फोन आसपास होने की संभावना हो तो उसमें आवाज भी बजाई जा सकती है।

दूसरा काम: पुलिस में शिकायत करें। फोन चोरी हुआ है तो नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं और उसकी प्रति संभालकर रखें। शिकायत में फोन का आईएमईआई नंबर देना उपयोगी होता है। यह 15 अंकों का एक विशिष्ट नंबर होता है, जिससे मोबाइल उपकरण की पहचान होती है। फोन के डिब्बे, खरीद की रसीद या बिल पर यह नंबर मिल सकता है। दो सिम वाले फोन में दो आईएमईआई नंबर हो सकते हैं।



तीसरा काम: सिम बंद करारकर उसी नंबर की नई सिम लें। मोबाइल कंपनी से संपर्क कर पुरानी सिम बंद कराएं और उसी नंबर की नई सिम जारी कराएं। यह जरूरी है क्योंकि आगे की प्रक्रिया में इसी नंबर पर आने वाले संदेश से सत्यापन किया जा सकता है। **चौथा काम:** आईएमईआई को सीईआईआर पर ब्लॉक करें। दूरसंचार विभाग के संचार साथी-सीईआईआर पोर्टल पर खोएं या चोरी हुए फोन को ब्लॉक करने का विकल्प मिलता है। यहां पुलिस शिकायत, दोबारा जारी सिम और पहचान से जुड़े दस्तावेजों की जरूरत पड़ती है। अनुरोध जमा करने के बाद मिलने वाली अनुरोध संख्या सुरक्षित रखें। इससे आवेदन की स्थिति देखी जा सकती है। आईएमईआई ब्लॉक होने के बाद फोन भारतीय मोबाइल नेटवर्क पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। **फोन वापस मिल जाए तो क्या करें?:** पहले पुलिस को इसकी जानकारी दें और इसके बाद सीईआईआर पर जाकर ब्लॉक किए गए आईएमईआई को अनब्लॉक कराने की प्रक्रिया पूरी करें। **ध्यान रखें:** फोन चोरी होने के बाद खुद उसके बताए स्थान पर जाकर चोर को पकड़ने की कोशिश न करें। स्थान की जानकारी मिलने पर पुलिस को दें। साथ ही बैंकिंग और भुगतान से जुड़े खातों की सुरक्षा के लिए जरूरी पासवर्ड बदलना और संबंधित बैंक को सूचना देना भी समझदारी है।

भारतीय वायुसेना दिवस

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार



भारतीय वायुसेना 8 अक्टूबर को अपना 94वां स्थापना दिवस मना रही है। यह केवल शक्ति और तकनीक का प्रदर्शन नहीं बल्कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव की प्रतीक गाथा का उत्सव भी है। इस अवसर पर होने वाले भव्य एयर शो भारतीय वायुसेना के साहस, कौशल और समर्पण का प्रत्यक्ष परिचय कराते हैं। आसमान में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29 और तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स की गड़गड़ाहट और उनकी अद्भुत युद्धाभ्यास कला ने केवल दर्शकों को रोमांचित करती है बल्कि यह संदेश भी देती है कि भारत का आकाश किसी भी आक्रामक इरादे के लिए अभेद्य है। सारांग टीम के हेलीकॉप्टरों की सटीक फॉर्मेशन उड़ान, ध्रुव और प्रचंड जैसे एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स की क्षमता तथा सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिस जैसे विशालकाय ट्रांसपोर्ट विमानों की ताकत भारतीय वायुसेना की बहुआयामी क्षमता का परिचायक है। वर्ष 1932 में ब्रिटिश शासनकाल में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' के नाम से शुरू हुई यह



यात्रा आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना के रूप में खड़ी है। आरंभ में मात्र चार एयरक्राफ्ट और छह अधिकारियों के साथ शुरू हुई वायुसेना का यह सफर आज डेढ़ लाख से भी अधिक जवानों, हजारों अत्याधुनिक विमानों, अत्याधुनिक मिसाइल प्रणालियों और वैश्विक स्तर पर सम्मानित तकनीकी क्षमताओं तक पहुंच चुका है। भारतीय वायुसेना ने अपनी स्थापना के साथ ही केवल सैन्य दृष्टिकोण से ही नहीं बल्कि एक रणनीतिक शक्ति के रूप में भी अपना महत्व साबित किया है। भारतीय वायुसेना ने अपने इतिहास में चीन और पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में असाधारण पराक्रम दिखाया है। 1947, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध में वायुसेना की भूमिका निर्णायक रही। चीन के साथ 1962 के युद्ध के दौरान वायुसेना की भूमिका सीमित रही किंतु उसके बाद के दशकों में वायुसेना ने अपनी रणनीति और तकनीक को इतना मजबूत किया कि आज चीन की संख्यात्मक बढ़त भी उसके सामने टिक नहीं पाती। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के दो हिस्से हो गए और बांग्लादेश का निर्माण हुआ, उसमें भारतीय वायुसेना के हमलों ने पाकिस्तान की रीढ़ तोड़ दी थी। कारगिल युद्ध में वायुसेना के 'ऑपरेशन सफेद सागर' ने ऊंचाई पर बैठे दुश्मन के ठिकानों को नष्ट कर भारतीय सेना को निर्णायक बढ़त दिलाई।

रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत के संसाधनों का सटीक उपयोग, युद्धाभ्यास की गुणवत्ता और वायुवीरों की अत्यंत जिजीविषा चीन और पाकिस्तान जैसे देशों पर भारी पड़ती है। आज वायुसेना के पास राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29, तेजस, जगुआर जैसे पातक फाइटर जेट्स हैं।

सुखोई-30 एमकेआई जैसे विमान तीन हजार किलोमीटर तक मार करने में सक्षम हैं और पौने चार घंटे तक हवा में रह सकते हैं। राफेल की सटीक मारक क्षमता और आधुनिक रडार सिस्टम ने भारत की वायु सुरक्षा को और मजबूत बनाया है। तेजस, जो स्वदेशी तकनीक से निर्मित है, भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इसके अलावा चिनुक और अपाचे जैसे हेलीकॉप्टर, जो अमेरिकी तकनीक से जुड़े हैं, युद्ध के मैदान में तेजी से सैनिकों और भारी हथियारों को तैनात करने की क्षमता रखते हैं। सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिस जैसे ट्रांसपोर्ट विमान ने केवल युद्धकालीन जरूरतों बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और राहत कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारतीय वायुसेना का दायरा केवल सीमा रक्षा तक सीमित नहीं है। जब भी देश में प्राकृतिक आपदाएं आईं, चाहे वह भूकंप हो, बाढ़ हो या चक्रवात, वायुसेना ने राहत और बचाव कार्यों में

अग्रणी भूमिका निभाई। नेपाल भूकंप, उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी और विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का कार्य भारतीय वायुसेना ने साहस और समर्पण के साथ किया। यही कारण है कि वायुसेना को केवल युद्ध शक्ति के रूप में नहीं, मानवीय आपदा प्रबंधन की रीढ़ के रूप में भी देखा जाता है। आज भारतीय

वायुसेना की ताकत का सबसे बड़ा कारण उसकी तकनीकी श्रेष्ठता और निरंतर आधुनिकीकरण है। मिसाइल प्रणालियों में बहोस जैसी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल शामिल है, जिसकी गति 952 मीटर प्रति सैकेंड तक है, जिसे दुश्मन के रडार पकड़ नहीं सकते। यही कारण है कि पड़ोसी देशों के हॉटसेल भारतीय वायुसेना के सामने परत हो जाते हैं। ड्रोन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियार प्रणाली भी वायुसेना में धीरे-धीरे शामिल की जा रही है, जिससे उसकी मारक क्षमता और निगरानी क्षमताएं और अधिक प्रभावी हो रही हैं। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। चीन के पास लड़कू विमानों और रॉकेट प्रोजेक्ट्रों की संख्या भारत से कहीं अधिक है। लेकिन संख्यात्मक ताकत हमेशा निर्णायक नहीं होती।

भारत की वायु शक्ति केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। यह दक्षिण एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करती है। विश्व राजनीति में आज जो नए समीकरण बन रहे हैं, उनमें भारत की वायुसेना की शक्ति मित्र देशों के लिए भरोसे का प्रतीक और विरोधियों के लिए भय का कारण है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। भारतीय वायुसेना दिवस हमें केवल गौरव की याद नहीं दिलाता बल्कि भविष्य की जिम्मेदारियों की ओर भी संकेत करता है। वायुसेना को लगातार अपने बेड़े को आधुनिक करना होगा, अधिक स्वदेशी तकनीक अपनानी होगी और अंतरिक्ष आधारित क्षमताओं को मजबूत करना होगा। यही आने वाले दशकों में हमारी सुरक्षा और रणनीतिक श्रेष्ठता की गारंटी होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हमारे दिल की हर धड़कन के पीछे चलता है बिजली का एक अनोखा तंत्र

हृदय की गति हमेशा एक जैसी नहीं रहती। शारीरिक मेहनत, तनाव या उत्तेजना के समय शरीर को अधिक रक्त और ऑक्सीजन की जरूरत होती है, इसलिए धड़कन तेज हो सकती है। आराम या नींद के दौरान यह गति कम हो जाती है। इस बदलाव को शरीर का स्वायत्त तंत्रिका तंत्र नियंत्रित करता है। **कब हो सकती है परेशानी?:** यदि हृदय की विद्युत प्रणाली में कहीं रुकावट या गड़बड़ी हो जाए तो धड़कन बहुत धीमी, बहुत तेज या अनियमित हो सकती है। ऐसी स्थिति में धड़कन महसूस होना, चक्कर आना, बेहोशी, थकान, सांस फूलना या सीने में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसी शिकायतों को सामान्य मानकर टालना नहीं चाहिए।

अजब - गजब

जब प्रेम और विश्वास की भाषा से कौवों संग रच गई अनूठी मिसाल

इंसान और जानवरों के बीच वफादारी या लगाव की अनगिनत कहानियां हम सुनते आए हैं। कोई कुत्ते को अपना सबसे अच्छा दोस्त मानता है तो कोई बिराली या घोड़े से गहरा रिश्ता बना लेता है। लेकिन क्या आपने कभी किसी इंसान की कांव-कांव करने वाले कौवों से ऐसी अटूट दोस्ती के बारे में सुना है कि पक्षी रोज वक्त पर छत पर हाजिरी लगाने पहुंच जाएं? छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक ऐसा ही अनूठ और अजब-गजब मामला सामने आया है, जो आज हर किसी के कौतूहल का केंद्र बना हुआ है।

धमतरी के रहने वाले इस शख्स ने अपनी रोजाना की दिनचर्या में पक्षियों के प्रति ऐसा निःस्वार्थ प्रेम और आत्मीयता घोल दी कि कौवे भी उनके सबसे वफादार साथी बन गए। सुबह होते ही जैसे ही यह शख्स अपनी छत पर कदम रखते हैं, वैसे ही आसपास के दर्जनों कौवे उड़कर उनके पास आ पहुंचते हैं। यह केवल भोजन पाने की लालसा नहीं है, बल्कि सालों के विश्वास और जुड़ाव का एक अनोखा संगम है। अमूमन कौवों को बहुत सतर्क, चालाक और इंसान के करीब आने से कतराने वाला पक्षी माना जाता है। इंसान का थोड़ा सा भी हाथ हिलते ही वे उड़ जाते हैं। लेकिन इस घर की छत का नजारा

बिल्कुल जुदा होता है। यहां कौवे बिना किसी डर के इस शख्स के हाथों से दाना-पानी खाते हैं, उनके कंधों पर बैठते हैं और उनके आसपास निश्चित होकर चहकते हैं।

इस अनोखी दोस्ती की शुरुआत किसी चमत्कार से कम नहीं थी। शुरुआत में जब इन्होंने अपनी छत



पर पक्षियों के लिए दाना और पानी रखना शुरू किया, तो धीरे-धीरे पक्षियों का भरोसा बढ़ता गया। रोज की एक ही समय पर मिलने वाली आत्मीयता ने कौवों को यह अहसास करा दिया कि यह स्थान उनके लिए पूरी तरह सुरक्षित है। समय बीतने के साथ यह रोज का नियम बन गया। अब आलम यह है कि अगर किसी दिन छत पर जाने में थोड़ी देरी हो जाए, तो कौवे कांव-कांव की आवाज लगाकर अपने इस इंसान दोस्त को आवाज देने लगते हैं।

प्रकृति और जीव-जगत का यह खूबसूरत तालमेल हमें सिखाता है कि निस्वार्थ प्रेम की कोई भाषा नहीं होती। आज के दौर में जहां इंसान अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में अपनों के लिए समय नहीं निकाल पाता, वहीं धमतरी की यह कहानी यह संदेश देती है कि अगर मन में करुणा और दया हो, तो बेजुबान पक्षी भी आपके सच्चे दोस्त बन सकते हैं। स्थानीय लोग और जो भी इस नजारे को देखता है, वह दंग रह जाता है।

न्यूज विंडो

घर के सामने गांजे का सौदा, 2.510 किलो माल के साथ युवक गिरफ्तार

नर्मदापुरम//इटारसी। घर के सामने गांजा बेचने की सूचना पर इटारसी पुलिस ने दबिश देकर राहुल पांडे निवासी पोर्टल खोली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 2.510 किलो गांजा, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और पैकिंग के लिए रखी पॉलिथीन जब्त की। जब्त मशरूका की कीमत करीब 30 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के मुताबिक 6 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि राहुल अपने घर के सामने गांजे की बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी में गांजा सहित बिक्री में इस्तेमाल होने वाली सामग्री मिली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 938/26, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। कार्रवाई थाना प्रभारी सौरभ पांडे के नेतृत्व में उप निरीक्षक विपिन पाल, आरक्षक राजकुमार, अजय, अतुल विश्वकर्मा, महेंद्र और टिल्लू उइके ने की।

एक ही छत के नीचे 1043 मरीजों का इलाज, स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी भीड़



औबेदुल्लागंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औबेदुल्लागंज में सेवा सेतु अभियान के तहत एक दिवसीय विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा, नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे, भूपेंद्र नागर, एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव और बीएमओ डॉ. धर्मेन्द्र गौड़ सहित जनप्रतिनिधि व नागरिक मौजूद रहे। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 1,043 मरीजों की जांच कर उन्हें परामर्श, उपचार और निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराईं। इनमें 591 नेत्र, 192 मेडिसिन, 112 हड्डी, 75 दंत रोग और 73 महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच शामिल रही। सेवा सदन आई हॉस्पिटल भोपाल के सहयोग से पात्र मरीजों को चश्मे भी वितरित किए गए। आरबीएसके के तहत 341 स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। विधायक सुरेंद्र पटवा ने बताया कि उमरावगंज और विनेका में 2.5-2.5 करोड़ रुपए की लागत से बने नए स्वास्थ्य केंद्रों का 10 अक्टूबर को लोकार्पण होगा।

मंडीदीप : मेडिकल वेस्ट जलाने वाली यूनिट की चिमनी से निकला काला धुआं

मंडीदीप। न्यू इंडस्ट्रियल एरिया स्थित इंडिया वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (आईडब्ल्यूएम) की चिमनी से काला धुआं

निकलने का मामला सामने आया है। सोमवार को जागरूक नागरिकों ने धुएं का वीडियो बनाकर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से शिकायत की। इसके बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और कंपनी प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा है। आईडब्ल्यूएम में प्रतिदिन करीब 750

से 1200 किलो बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण होता है। भोपाल, रायसेन सहित तीन जिलों के करीब 600 स्वास्थ्य केंद्रों से निकलने वाला मेडिकल वेस्ट यहां इंसीनेरेटर में निर्धारित तापमान पर जलाया जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार शेड से महज पांच फीट ऊंची चिमनी से धुआं निकलता है। झलारकला और कटी घाटी के रहवासी व आसपास के उद्योगों के कर्मचारी इससे परेशान हैं।

जरूरतमंद बच्चों की राह हुई आसान विधायक रघुवंशी ने बांटी साइकिलें



गंजबासोदा। नगर के वासुदेव-द प्यूचर प्राइड स्कूल में ज्ञान ज्योति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने विधायक स्वेच्छा निधि से जरूरतमंद विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित कीं। ये विद्यार्थी पैदल स्कूल आने-जाने में परेशानी का सामना कर रहे थे। वहीं विद्यालय की स्टेनरी बैंक के माध्यम से 50 विद्यार्थियों को स्कूल बैग दिए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षा सहयोगियों को ज्ञान ज्योति सम्मान से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक हरिसिंह रघुवंशी रहे, जबकि अध्यक्षता भाजपा नेत्री रीता देवी भावसार ने की। अतिथियों ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को पिछले छह वर्षों से निशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। विद्यालय डायरेक्टर रीतिका आरोरा ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र जैन ने किया।

60 वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान



गंजबासोदा। दानवीर सेठ श्री रामलाल जी की 125वीं जन्मजयंती वर्ष के अवसर पर सकल जैन समाज द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें 75 वर्ष से अधिक आयु के करीब 60 वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। समारोह की शुरुआत 102 वर्षीय कपूरचंद्र जैन के अभिनंदन से हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। मुनिराज धर्मधोष विजय जी महाराज साहब ने कहा कि वरिष्ठजन समाज के अनुभव, संस्कार और मार्गदर्शन की धरोहर हैं। उनका सम्मान युवा पीढ़ी को जीवन के मूल्यों से जोड़ने का माध्यम है। विधायक हरिसिंह रघुवंशी और पूर्व विधायक निशंक जैन ने वरिष्ठजनों के सम्मान को समाज की महत्वपूर्ण परंपरा बताया। पूर्व प्राचार्य शैलेंद्र दीक्षित ने नगर के विकास में सेठ रामलाल सहित अन्य विभूतियों के योगदान को याद किया।

रातभर दुकान के सामने धरना, 50 से ज्यादा महिलाओं ने नहीं छोड़ा मोर्चा, प्रशासन बोला- 1 अप्रैल से पहले स्थान परिवर्तन संभव नहीं

शराब दुकान हटाने की मांग, 20 घंटे से सड़क पर डटी महिलाएं

नर्मदापुरम/सारंगपुर। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मद्द्-सारंगपुर पर्यटन क्षेत्र में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर आदिवासी महिलाओं का आंदोलन दूसरे दिन भी जारी रहा। मंगलवार दोपहर 1 बजे शुरू हुआ धरना आज सुबह तक करीब 20 घंटे चला। 50 से ज्यादा महिलाएं रातभर शराब दुकान के सामने सड़क पर डटी रहीं। महिलाओं ने तत्काल दुकान हटाने की मांग की, जबकि प्रशासन ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि दुकान का स्थान परिवर्तन 1 अप्रैल से पहले संभव नहीं है।



महिलाओं ने पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल के साथ दुकान के बाहर धरना दिया और भाजपा व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना पर एसडीएम डॉ.

बबिता राठौर, एसडीओपी अरविंद शाह, आबकारी अधिकारी राहुल ढोके सहित पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने महिलाओं से चर्चा कर 1 अप्रैल से

दुकान का स्थान बदलने का आश्वासन दिया, लेकिन महिलाएं तत्काल कार्रवाई की मांग पर अड़ी रहीं।

रात में महिलाओं ने धरनास्थल पर ही भोजन किया और सड़क पर बैठकर रात गुजारी। कामती, ढाबा, खापा उदोन, घोंगरी, मंगरिया, सारंगपुर, टेकापार और सियारखेड़ा सहित आसपास के गांवों की महिलाएं आंदोलन में शामिल हैं। महिलाओं का कहना है कि शराब की बिक्री से परिवारों में विवाद बढ़ रहे हैं और बच्चे व युवा भी नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं।

सड़क पर डटी रहीं महिलाएं

शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर 50 से ज्यादा आदिवासी महिलाओं ने रातभर धरनास्थल नहीं छोड़ा। मंगलवार दोपहर से शुरू हुआ आंदोलन आज सुबह तक चलता रहा। महिलाओं का कहना है कि वे करीब एक महीने से शराब दुकान हटाने की मांग कर रही हैं, लेकिन सुनवाई नहीं होने पर उन्हें सड़क पर उतरना पड़ा। महिलाओं ने स्पष्ट कहा कि जब तक दुकान हटाने की कार्रवाई नहीं होती, उनका विरोध जारी रहेगा।

बकरे के लालच में पिंजरे

में कैद हुआ तेंदुआ

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री परिसर में 3 से 4 बजे के बीच सफल रेस्क्यू

नर्मदापुरम/इटारसी। दोपहर मेट्रो

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री परिसर के आवासीय क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों में दहशत का कारण बने तेंदुए को आखिरकार वन विभाग ने पिंजरे में कैद कर लिया। मंगलवार-बुधवार की दरमियांनी रात करीब 3 से 4 बजे के बीच तेंदुआ बकरे के लालच में पिंजरे के भीतर पहुंचा और उसमें फंस गया। बुधवार सुबह तेंदुए के पकड़े जाने की जानकारी मिलते ही वन विभाग ने राहत की सांस ली। वहीं क्षेत्र के रहवासियों ने भी राहत महसूस की।

29 सितंबर को फैक्ट्री प्रबंधन से अनुमति मिलने के बाद वन विभाग ने अंकुर विद्यालय और अस्पताल परिसर के आसपास तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था। तेंदुए को आकर्षित करने के लिए पिंजरे में बकरा बांधा गया था। उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वनकर्मियों की 12-12 घंटे की दो शिफ्ट में ड्यूटी लगाई गई थी। रेंजर अभिषेक शर्मा ने बताया कि तेंदुए के पकड़े जाने की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों और वन्यप्राणी चिकित्सकों को दे दी गई है। विशेषज्ञ चिकित्सक तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। स्वस्थ पाए जाने पर वन विभाग के प्रोटोकॉल के अनुसार उसे सुरक्षित प्राकृतिक वास में छोड़ा जाएगा। रेस्क्यू के दौरान फॉरेस्ट गार्ड पांडरी विजय रेकवार, बागदेव चौकी प्रभारी अजय श्रीवास्तव सहित वन विभाग की टीम मौजूद रही।

कॉलेज में फिट इंडिया योग का हुआ आयोजन

योग से निरोग रहने का संदेश गूंजा स्वस्थ जीवन का मंत्र



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के शासकीय महाविद्यालय में सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत फिट इंडिया योग एवं ध्यान गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठक्कर ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग और ध्यान का अभ्यास किया।

योग एवं ध्यान गतिविधि का आयोजन मेघ सिंह वर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को योग के विभिन्न लाभों की जानकारी देते हुए स्वस्थ एवं रोगमुक्त जीवन के लिए नियमित योग को महत्वपूर्ण

बताया। कार्यक्रम के दौरान यशवंत अहिरवार ने ध्यान के माध्यम से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य लाभों के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नियमित ध्यान को बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली के लिए जरूरी बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील गिरी एवं डॉ. एनके निकोसे ने किया। महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सराहनीय सहयोग दिया। विद्यार्थियों ने योग और ध्यान को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प भी लिया।

छात्र दिवस के रूप में मनाएंगे पूर्व राष्ट्रपति

डॉ. कलाम का जन्मदिन

गंजबासोदा। भारत रत्न एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जन्मदिन 15 अक्टूबर को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा देशभर में 'छात्र दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इसे लेकर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ की ऑनलाइन बैठक आयोजित हुई, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के पदाधिकारी एवं संयोजक शामिल हुए। बैठक में राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने बताया कि 15 अक्टूबर को स्कूलों और मदरसों में जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थियों को कॉपी-किताब व पेन वितरित किए जाएंगे तथा प्रतिभावन विद्यार्थियों और शिक्षकों का सम्मान होगा। 'कलाम का जन्मदिन' कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील गिरी एवं डॉ. एनके निकोसे ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सराहनीय सहयोग दिया। विद्यार्थियों ने योग और ध्यान को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प भी लिया।

मेट्रो एंकर

तेंदूखेड़ा से ग्रामीण अंचलों तक शारदेय नवरात्र की धूम, कहीं मंदिर तो कहीं वैष्णोदेवी गुफा थीम पर बन रहे पंडाल

मां के स्वागत को सज रहे पंडाल, प्रतिमाओं को अंतिम रूप दे रहे मूर्तिकार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शारदेय नवरात्र पर्व को लेकर तेंदूखेड़ा नगर सहित ग्रामीण अंचलों में तैयारियां अंतिम दौर में हैं। 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले 10 दिवसीय पर्व के लिए जगह-जगह आकर्षक पंडाल तैयार किए जा रहे हैं। वहीं मूर्तिकार मां आदिशक्ति की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में दिन-रात जुटे हैं। समितियां मंदिर, वैष्णोदेवी गुफा सहित विभिन्न थीम पर पंडाल सजा रही हैं। लाइटिंग और झांकियों की तैयारियां भी चल रही हैं। महंगाई के बावजूद श्रद्धालुओं में उत्साह है। मूर्तिकार 10 हजार से 30 हजार रुपए तक की प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं।



मूर्तिकार समितियों की पसंद और बताए गए स्वरूप के अनुसार प्रतिमाओं को आकार दे रहे हैं। कई प्रतिमाओं का निर्माण पूरा हो चुका है और अब उनमें रंग-रोगन का काम चल रहा है। मूर्तिकारों के अनुसार इस बार ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी संख्या में आर्डर मिले हैं। पर्व नजदीक आने के साथ काम तेजी से पूरा किया जा रहा है।

— छटुन वक्रवर्ती, मूर्तिकार तेंदूखेड़ा



पिछले साल की तुलना में इस बार प्रतिमा निर्माण में लगने वाली सामग्री महंगी हुई है। मिट्टी, बांस और अन्य सामग्री के दाम बढ़ने से लागत बढ़ी है, जिसका आंशिक असर प्रतिमाओं की कीमत पर भी पड़ा है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह में कमी नहीं आई है। 10 अक्टूबर तक तैयारियां पूरी करने का लक्ष्य है।

— विजय बेन, मूर्तिकार तेंदूखेड़ा



इस बार लगातार आने वाले पर्वों के कारण मूर्तिकारों को प्रतिमाएं तैयार करने के लिए अपेक्षाकृत कम समय मिला। अब मूर्तियों को अंतिम रूप देने के लिए रंग-रोगन और सजावट का काम तेजी से चल रहा है। ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में आर्डर प्राप्त हुए हैं। समितियों की मांग के अनुरूप अलग-अलग आकार और स्वरूप की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं।

— सागर विश्वकर्मा, मूर्तिकार तेंदूखेड़ा



समितियों से आर्डर मिलने से पहले ही उन्हें बड़ी मात्रा में सामग्री खरीदनी पड़ती है। इसके बाद मांग के अनुसार प्रतिमाओं का निर्माण किया जाता है। बढ़ती लागत के बावजूद कलाकार मां आदिशक्ति की प्रतिमाओं को आकर्षक स्वरूप देने में जुटे हैं। अलग-अलग डिजाइन और आकार की प्रतिमाओं की मांग के अनुसार निर्माण कार्य लगातार जारी है।

— बबलू बेन पूरन, मूर्तिकार तेंदूखेड़ा

न्यूज विंडो

मुशरान गर्ल्स कॉलेज में कुकिंग शॉर्ट टर्म कोर्स, छात्राएं सीख रहीं नए व्यंजन बनाना



नरसिंहपुर। श्याम सुन्दर नारायण मुशरान गर्ल्स कॉलेज में कुकिंग शॉर्ट टर्म कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। छात्राओं में कुकिंग की योग्यता बढ़ाने के लिए उन्हें भारतीय व्यंजन के बारे में विस्तृत से जानकारी दी गई। इसके साथ किचन टिप्स भी दिए गए। गुरु महक कला केंद्र की संचालिका रंजना नायक ने बताया कि इस दौरान गर्ल्स कॉलेज में विद्यार्थियों के समग्र विकास और कौशल बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष कुकिंग क्लासेस का आयोजन किया जा रहा है। इस साल कोर्स में कॉलेज की छात्राएं बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। बच्चों को विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाना सिखाए जा रहे हैं। इसमें भारतीय पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ बेकिंग, चाइनीस, आइसक्रीम, हेल्दी डाइट फूड बनाने की बारीकियां सिखाई जा रही है, इसके अलावा किचन हाइजीन के बारे में महत्वपूर्ण टिप्स दिए जा रहे हैं। कॉलेज के प्राचार्य श्रीमती कृष्णा शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के व्यावहारिक कोर्स छात्रों के आत्मनिर्भरता आती है और भविष्य में भी होटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं, इस अवसर पर कॉलेज का समस्त स्टाफ और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नवरात्रि में गरबा इवेंट पर गरमाया विवाद निजी आयोजनों पर रोक की मांग



धार। नवरात्रि पर शहर में होने वाले निजी व्यावसायिक गरबा इवेंट्स को अनुमति नहीं देने की मांग तेज हो गई है। सार्वजनिक हटवाड़ा समिति ने मंगलवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर ऐसे आयोजनों पर रोक लगाने की मांग की। समिति ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों से धार्मिक पर्व की आड़ में निजी गार्डनों में शुल्क लेकर व्यावसायिक गरबा इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। नवरात्रि मां कालिका की आराधना और धार्मिक आस्था का पर्व है, लेकिन जो आयोजनों में कथित तौर पर अश्लील व फूहड़ प्रस्तुतियों, तेज डीजे साउंड और आयोजन की शर्तों के उल्लंघन से धार्मिक पर्व की गरिमा प्रभावित हो रही है। नवरात्रि मां कालिका की आराधना और धार्मिक आस्था का पर्व है। शहर में सार्वजनिक समितियां वर्षों से गरबा पंडालों में माता की स्थापना कर सपरिवार आयोजन करती आई हैं। इसके विपरीत निजी आयोजनों में कथित तौर पर अश्लील व फूहड़ प्रस्तुतियों, तेज डीजे साउंड और आयोजन की शर्तों के उल्लंघन से धार्मिक पर्व की गरिमा प्रभावित हो रही है। ज्ञापन में कहा गया कि ऐसे व्यावसायिक आयोजनों से सार्वजनिक गरबा समितियों के आयोजनों को भी नुकसान पहुंच रहा है। समिति ने प्रशासन से मांग की कि नवरात्रि के दौरान निजी व्यावसायिक गरबा इवेंट्स को अनुमति नहीं दी जाए और धार्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा बनाए रखने के लिए आयोजनों की सख्ती से निगरानी की जाए।

ललित की ‘रामरस’ का कवर हुआ लॉन्च दिवाली पर अमेजन पर होगी बिक्री शुरू

नरसिंहपुर। श्रीराम के जीवन, आदर्शों और मानवीय मूल्यों पर आधारित काव्य पुस्तक ‘रामरस’ का कवर शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से लॉन्च किया गया। पुस्तक के लेखक नरसिंहपुर जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि ललित श्रीवास्तव हैं। श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, त्याग, प्रेम, कर्तव्य, संघर्ष और मानवीय संवेदनाओं को काव्य के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली यह पुस्तक पाठकों को श्रीराम के जीवन-दर्शन से जोड़ने का प्रयास करेगी।



‘रामरस’ के माध्यम से पाठकों को श्रीराम के आदर्शों के करीब लाने और उनके जीवन-मूल्यों को समझने का प्रयास किया गया है। एवं नारायण के अलग अलग पात्रों की भूमिका एवं योगदान पर प्रकाश डालती हुई कवितायें पाठकों को रामरस में

मिलेंगी, इस पुस्तक को सोच पब्लिकेशन हॉउस द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है। लेखक ललित श्रीवास्तव नरसिंहपुर जिले में लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। वरिष्ठ पत्रकार होने के साथ-साथ वे काव्य शैली के भी धनी हैं और उनकी रचनाओं में भावनात्मक अभिव्यक्ति के साथ जीवन के विभिन्न पक्षों को सरल एवं प्रभावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास दिखाई देता है।

शिक्षा विभाग की टीम ने किया शिक्षा गुणवत्ता सुधारने शाला का निरीक्षण

नरसिंहपुर। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के निर्देशानुसार जिले की प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में शैक्षणिक गुणवत्ता के उन्नयन और शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से डाइट एवं जिला शिक्षा केंद्र के मॉनिटरिंग दलों द्वारा सघन शाला निरीक्षण किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह नाश्रि के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान में शालाओं की वास्तविक शैक्षणिक स्थिति, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं सीखने के स्तर, कक्षा-कक्ष की गतिविधियों तथा उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों की समीक्षा की जा रही है।

डाइट प्राचार्य श्री राजीव किशोर श्रीवास्तव के निर्देशन में अकादमिक सदस्य राज्य शिक्षा केंद्र से आवंटित



जिले की प्राथमिक, माध्यमिक शालाओं का नियमित भ्रमण कर रहे हैं। इसी क्रम में डाइट अकादमिक दल से श्री आनंद शर्मा एवं श्री एल. एस. उग्रैलिया द्वारा विकासखंड नरसिंहपुर की शासकीय प्राथमिक शाला सिमरिया, नंदवार, मल्हौआ, गुटेरी, रागटा तथा एकीकृत शासकीय हाई स्कूल नयाखेड़ा का अकादमिक अवलोकन किया गया। दल ने छात्र-छात्राओं द्वारा बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान, अभ्यास पुस्तिका पर किए जा रहे कार्य तथा एट्रेण्ड की प्रगति के आधार पर उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता का परीक्षण किया।



पड़ोसी गांव में परिवार के घर मिली बालिका, पुलिस ने परिजनों को सौंपा 30 घंटे और चार थानों की सर्चिंग के बाद आखिर मिल गई 9 साल की बेटी

रतलाम। दोपहर मेट्रो
सरदारपुर थाना क्षेत्र से लापता हुई 9 वर्षीय बालिका को पुलिस ने करीब 30 घंटे की लगातार सर्चिंग के बाद सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। चार थानों की संयुक्त टीम ने खेत, झाड़ियां, सुनसान रास्तों और माही नदी के तटों तक तलाश अभियान चलाया। बालिका के सुरक्षित मिलने से परिजनों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

ग्राम टिमायची निवासी शांताबाई पति मनु परमार ने सरदारपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 9 वर्षीय बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई है। पुलिस ने तत्काल अपराध क्रमांक 253/2026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। एसपी सचिन शर्मा के निर्देशन, एएसपी पारुल बेलापुरकर व विजय डावर के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी सरदारपुर विश्वदीपसिंह परिहार के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। सरदारपुर के साथ अमझेरा, राजगढ़ और राजोद थाना पुलिस को भी तलाश में लगाया गया। मानवीय



हर जगह खंगाली, नहीं छोड़ा कोई सुराग
बालिका के लापता होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने बिना समय गंवाए तलाश अभियान शुरू कर दिया। सरदारपुर थाना क्षेत्र के ग्राम टिमायची, भानगढ़ और आसपास के इलाकों में पुलिस टीमों ने व्यापक सर्चिंग की। खेतों, झाड़ियों, सुनसान रास्तों और माही नदी के किनारों को भी खंगाला गया। पुलिस ने संभावित स्थानों के साथ ग्रामीणों से

और तकनीकी संसाधनों की मदद से पुलिस ने संभावित स्थानों पर लगातार सर्चिंग की। एएसपी बेलापुरकर के अनुसार बालिका पड़ोस के गांव में एक परिवार के घर सुरक्षित मिली। परिवार ने मदद की

भावना से उसे अपने घर पर रखा था। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद बालिका को परिजनों को सौंप दिया। अभियान में चारों थानों के थाना प्रभारियों सहित पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इन चार थानों की टीम ने निभाई अहम भूमिका

बालिका की तलाश के लिए सरदारपुर, अमझेरा, राजगढ़ और राजोद थानों की संयुक्त टीम बनाई गई थी। अभियान में सरदारपुर थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार जाधव, अमझेरा थाना प्रभारी निरीक्षक राजू मकवाना, राजगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक समीर पाटीदार और राजोद थाना प्रभारी निरीक्षक रेवलसिंह बर्डे के साथ उपनिरीक्षक जगदीशचंद्र निनामा, सहायक उपनिरीक्षक शराफत हुसैन कुरैशी सहित पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसपी सचिन शर्मा के निर्देशन में अधिकारियों ने लगातार अभियान की निगरानी की।

एएसपी पारुल बेलापुरकर ने बताया कि पुलिस टीम की तत्परता, आपसी समन्वय और संवेदनशीलता से बालिका को 30 घंटे के भीतर सुरक्षित बरामद किया जा सका।

बेटा चाहिए था, हो गई बेटी... मां ने ही एक दिन की नवजात का गला दबाया, मौत पोस्टमार्टम और सीसीटीवी से खुला राज, पूछताछ में कबूला अपराध

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो
जिला अस्पताल में एक दिन की नवजात बच्ची की गला दबाकर हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। जांच में सामने आया कि बच्ची की हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उसकी मां ने ही की थी। पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के पीछे बेटी पैदा होने से नाराजगी की बात सामने आई है। पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि नवजात की मौत की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और बच्ची की मां भावना विश्वकर्मा, उसकी सास राजन बाई, पति व अन्य परिजनों से पूछताछ की गई। वहीं नवजात का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें गला दबाने से मौत की पुष्टि हुई।



पुलिस के अनुसार प्रसव के बाद डॉक्टर और नर्स ने बच्ची को मां के पास सुला दिया था। कुछ समय बाद मां और बच्ची अकेले थे। इसी दौरान मां ने अंगूठे एवं उंगली से बच्ची का गला दबा दिया। बच्ची की मौत के बाद उसकी नाक से खून निकला तो मां ने परिजनों को बताया कि बच्ची की अचानक तबीयत खराब हो गई है। महिला की तबीयत खराब होने के कारण पुलिस ने तत्काल कड़ाई से पूछताछ नहीं की। महिला पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में संवेदनशील तरीके से बातचीत की गई। करीब चार-पांच घंटे की पूछताछ के बाद उसने बच्ची की

हत्या करना स्वीकार कर लिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर महिला को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। नवजात की संदिग्ध मौत के बाद पुलिस ने अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही बच्ची का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें गला दबाने से मौत की पुष्टि हुई। शुरुआती जांच में पुलिस को घटना के पीछे किसी बाहरी व्यक्ति की भूमिका नजर नहीं आई। पुलिस ने बच्ची की मां, पिता, दादी और अन्य रिश्तेदारों से पूछताछ की। मां की तबीयत खराब होने के कारण उससे संवेदनशील तरीके से पूछताछ की गई। महिला पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में करीब चार-पांच घंटे तक बातचीत के बाद मां ने बच्ची की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली।

नेता प्रतिपक्ष ने सीएम को लिखा पत्र कम बारिश से संकट में किसान सिंधार ने मांगा राहत पैकेज

धार। दोपहर मेट्रो
कम बारिश से रबी फसल की बोनी और सिंचाई पर गहराते संकट को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व गंधवानी विधायक उमंग सिंधार ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने धार जिले को सूखा प्रभावित घोषित करने, खरीफ फसलों का तत्काल सर्वे कराने और प्रभावित किसानों को राहत पैकेज देने की मांग की है। सिंधार ने कहा कि आदिवासी बहुल धार जिले में बड़ी आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है। इस वर्ष पिछले साल की तुलना में करीब 42 प्रतिशत कम बारिश हुई है। खेतों में पर्याप्त नमी नहीं होने से रबी की बोनी प्रभावित होने की आशंका है, वहीं सिंचाई के पानी का संकट भी बढ़ रहा है। उन्होंने बाग ब्लॉक में पाइपलाइन के माध्यम से नर्मदा नदी का पानी



विभिन्न जलाशयों तक पहुंचाने की मांग की। टांडा, धोकपयड़ी, काकड़खुआ, गुराड़िया, बगोली, इंदिरा गांधी जलाशय, ताराघाटी, धायड़ी, खनिअंबा, बरेठा, गेटा, बड़कल और चामझर सहित अन्य जलाशयों में पानी पहुंचाने की मांग की गई है। सिंधार ने किसानों को पर्याप्त खाद-बीज उपलब्ध कराने और प्रभावित जिलों में भी फसल सर्वे कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में किसानों को सरकार की राहत चाहिए, सिर्फ आश्वासन नहीं।

इंदौर : जनसुनवाई में अधिकारियों को गिफ्ट की गंदे पानी की बॉटल

इंदौर। इंदौर निगम मुख्यालय में होने वाली जनसुनवाई में उस वक्त हंगामा मच गया, जब कांग्रेसी पार्षद कुणाल सोलंकी बोतल में नर्मदा का गंदा पानी लेकर पहुंचे। उन्होंने इस गंदे पानी को निगम अधिकारियों को उपहार में दिया। सोलंकी ने कहा कि उनके वार्ड में पिछले छह महीने से नर्मदा का गंदा पानी आ रहा है। उन्होंने इसकी शिकायत भी की, लेकिन कुछ नहीं हो रहा है। गंदा पानी पीने से रक्वासी परेशान हैं। दो बच्चे बीमार भी हो गए। पार्षद ने चेतावनी दी कि अब भी स्थिति नहीं सुधरी तो वे यही पानी निगम अधिकारियों को पिलाएंगे। सोलंकी ने बताया कि छह माह से कुहार भट्टी क्षेत्र में गंदा पानी आ रहा है। निगम अधिकारियों का कहना है कि काम शुरू करवा दिया है, लेकिन वास्तविकता यह है कि कुछ नहीं हो रहा।



पर्वत की पूजा के लिए प्रेरित किया। इससे क्रोधित इंद्र ने ब्रज में मूसलाधार बारिश करा दी। संकट में धिरे ब्रजवासियों की रक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सात दिनों तक सभी को उसके नीचे आश्रय दिया। अंततः इंद्र को अपने अहंकार का एहसास हुआ और उन्होंने श्रीकृष्ण से क्षमा मांगी। आचार्य ने कहा कि गोवर्धन लीला केवल धार्मिक प्रसंग नहीं, बल्कि जीवन का संदेश है। पद, शक्ति और सामर्थ्य का अहंकार मनुष्य को विनाश की ओर ले जाता है, जबकि विनम्रता, सेवा, श्रद्धा और समर्पण जीवन को सार्थक बनाते हैं। कथा में श्री विष्णु नारायण माथुर, सरोज माथुर, राशि माथुर, सुबोध माथुर, रिचा, श्रुति सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और कथा का आनंद लिया।

मेट्रो एंकर श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का हुआ वर्णन अहंकार छोड़ विनम्रता को अपनाएं: आचार्य आनंद

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो
श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस कथावाचक आचार्य पंडित विकास आनंद ऐलिया जी ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के साथ गोवर्धन पूजा एवं इंद्र के अहंकार का प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान श्रद्धालु भावविभोर होकर जय श्रीकृष्ण और राधे-राधे के जयघोष करते रहे। महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को प्रकृति, गोवर्धन पर्वत, गौ माता और समस्त जीव-जगत के महत्व का बोध कराया। उन्होंने संदेश दिया कि जिनसे हमारा जीवन चलता है, उनकी सेवा और संरक्षण ही सच्ची पूजा है। कथा प्रसंग में बताया गया कि ब्रजवासी जब देवराज इंद्र की पूजा की तैयारी कर रहे थे, तब बाल स्वरूप श्रीकृष्ण ने उन्हें इंद्र के स्थान पर गोवर्धन

21 साल की शानदार कहानी का अंत, आंखों में आंसू, पैरों में वही जादू...

जीत और भावुक पलों के साथ मेसी का इंटरनेशनल करियर खत्म

ब्यूनस आयर्स, एर्जेसी
जिस पल का दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों को लंबे समय से डर था, वह आखिर आ गया। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपने 21 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर को भावुक लेकिन बेहद शानदार अंदाज में अलविदा कह दिया। ब्यूनस आयर्स के ऐतिहासिक मॉन्यूमेंटल स्टेडियम में खेले गए अपने आखिरी मुकाबले में अर्जेंटीना ने बेनिन को 3-0 से हराया और मेसी ने एक गोल तथा दो असिस्ट के साथ अपने अंतिम मैच को यादगार बना दिया।

राष्ट्रगान के दौरान छलक पड़े आंसू- मैच शुरू होने से पहले ही मेसी भावुक नजर आए। स्टेडियम की ओर जाते समय वह आंसू पोंछते दिखाई दिए और राष्ट्रगान के दौरान भी उनकी आंखें नम थीं। 85 हजार से अधिक दर्शकों से खचाखच भरे मॉन्यूमेंटल में हर तरफ सिर्फ एक ही नाम गूंज रहा था-मेसी... मेसी... मेसी। मैच के

10वें मिनट में खेल रोककर उन्हें विशेष सम्मान भी दिला गया। मैच के बाद झुन शो के जरिए आसमान में मेसी की तस्वीर और उनके शानदार करियर के लिए धन्यवाद संदेश भी प्रदर्शित किया गया। यह सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं, बल्कि अर्जेंटीना के सबसे बड़े खेल नायकों में से एक को विदाई देने का ऐतिहासिक समारोह बन गया।

48वें मिनट से शुरू हुआ मेसी का आखिरी जादू
मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों गोल नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे हाफ में अर्जेंटीना ने पूरी तरह तस्वीर बदल दी। 48वें मिनट में मेसी के कॉर्नर पर निकोलस ओटामेंडी ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 61वें मिनट में मेसी ने निको पाज को गोल करने में मदद की। 71वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर मेसी ने स्कोर 3-0 कर दिया। यानी अपने आखिरी मैच में वह अर्जेंटीना के तीनों गोलों में सीधे शामिल रहे।



208 मैच, 126 गोल और 70 असिस्ट
अर्जेंटीना की जर्सी में मेसी का सफर 2005 में शुरू हुआ था। हंगरी के खिलाफ अपने डेब्यू में रेड कार्ड मिलने के बाद शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह खिलाड़ी आगे चलकर फुटबॉल इतिहास का सबसे बड़ा नाम बनेगा। 21 साल बाद मेसी ने 208 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 126 गोल और 70 असिस्ट के साथ विदाई ली। वह अर्जेंटीना के सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। मेसी का अंतरराष्ट्रीय करियर सिर्फ व्यक्तिगत रिकॉर्ड का नहीं, बल्कि अर्जेंटीना की ऐतिहासिक सफलताओं का भी गवाह रहा। उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता।

रणजी में वापसी का इंतजार बढ़ा, सूर्यकुमार यादव को मुंबई की टीम में नहीं मिली जगह



नई दिल्ली, ए.जे.सी
भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव की घरेलू क्रिकेट में वापसी फिलहाल टल गई है। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के शुरूआती मुकाबले के लिए मुंबई की घोषित टीम में सूर्यकुमार को जगह नहीं मिली है। खास बात यह है कि सूर्यकुमार पूरे रणजी सत्र में मुंबई के लिए खेलना चाहते थे और उन्होंने चयनकर्ताओं के सामने उपलब्ध रहने की इच्छा भी जताई थी। इसके बावजूद चयन समिति ने उन्हें शुरुआती मुकाबले से बाहर रखने का फैसला किया। सूर्यकुमार लंबे समय से लाल गेंद के क्रिकेट में नियमित रूप से नहीं खेले हैं। उन्होंने अपना पिछला रणजी मुकाबला फरवरी 2025 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ खेला था। इसके बाद से वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में ज्यादा सक्रिय रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सूर्यकुमार ने चयनकर्ता को संदेश भेजकर टीम में शामिल होने की इच्छा जताई थी। हालांकि, मुंबई की चयन समिति ने उन्हें इस मुकाबले के लिए टीम में शामिल नहीं किया। मुंबई के मुख्य चयनकर्ता राजेश पवार ने बताया कि सूर्यकुमार को पहले कुछ लाल गेंद के मुकाबले खेलकर अपनी लय हासिल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार मुंबई के लिए बड़े मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अनुभवी खिलाड़ी हैं, लेकिन पिछले करीब 18 महीनों से उन्होंने नियमित लाल गेंद क्रिकेट नहीं खेला है।

खराब फॉर्म के बाद सोशल मीडिया पर देखने को मिला फैन्स का गुस्सा

संजू सैमसन का बल्ला खामोश, 4 मैच में 29 रन; अब वैभव सूर्यवंशी की बारी?

नई दिल्ली, ए.जे.सी
वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार अंदाज में 8 विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन इस मुकाबले में विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन एक बार फिर बल्ले से प्रभावित नहीं कर सके। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मैच में सैमसन सिर्फ 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उनकी लगातार खराब फॉर्म के बाद सोशल मीडिया पर फैन्स का गुस्सा देखने को मिला। कई प्रशंसकों ने अब संजू की जगह 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका देने की मांग शुरू कर दी है।

संजू सैमसन के लिए हालिया टी20 मुकाबले बेहद निराशाजनक रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 अक्टूबर को खेले गए मुकाबले में उन्होंने 9 गेंदों पर 11 रन बनाए। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ 3 अक्टूबर को वह सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हुए थे। श्रीलंका के खिलाफ 1 अक्टूबर को उनके बल्ले से 7 रन निकले, जबकि जापान के खिलाफ 22 सितंबर को उन्होंने 9 रन बनाए थे। इस तरह उनकी पिछली चार टी20 पारियों में कुल 29 रन ही आए हैं। लगातार खराब प्रदर्शन के चलते अब उनकी जगह को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, इससे पहले 17 सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ संजू ने 35 गेंदों पर 50 रन की अच्छी पारी खेली थी, लेकिन उसके बाद वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं।



वैभव सूर्यवंशी को मौका देने की मांग

संजू की लगातार नाकामी के बीच सोशल मीडिया पर युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। 15 साल के वैभव को वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली। यही वजह रही कि मैच के दौरान और उसके बाद फैन्स ने टीम प्रबंधन के फैसले पर सवाल उठाए। एक प्रशंसक ने लिखा कि अब संजू सैमसन से आगे बढ़ने का समय आ गया है। उन्हें पर्याप्त मौके मिल चुके हैं और विश्व कप में उनके योगदान का सम्मान है, लेकिन मौजूदा फॉर्म चिंता बढ़ाने वाली है। वहीं एक अन्य यूजर ने सवाल उठाया कि आखिर कब तक संजू को लगातार मौके दिए जाएंगे और वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ी को बाहर बैठाया जाएगा।



प्रबंधन के सामने बड़ा सवाल

संजू सैमसन की मौजूदा फॉर्म ने भारतीय टीम प्रबंधन और मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने भी चुनौती खड़ी कर दी है। एक ओर टीम सैमसन के अनुभव और बड़े मुकाबलों में उनके प्रदर्शन को ध्यान में रख सकती है, वहीं दूसरी ओर लगातार कम स्कोर के कारण युवा वैभव को आजमाने की मांग जोर पकड़ रही है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 में कप्तान अख्तर ने शानदार शतक जड़कर भारत को आखिरी गेंद पर जीत दिलाई। ऐसे में टीम के शीर्ष क्रम में फिलहाल कप्तान के प्रदर्शन ने राहत जरूर दी है, लेकिन सैमसन का खराब फॉर्म चिंता का विषय बना हुआ है।

नस्लभेदी टिप्पणी पर फूटा गुस्सा

कोको गॉफ ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब, बोलीं- ‘मैं न धोखेबाज हूं, न चोर’

नई दिल्ली, ए.जे.सी
अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गॉफ ने चाइना ओपन के दौरान हुई एक विवादित घटना को लेकर सोशल मीडिया पर की जा रही आलोचना का जवाब दिया है। मुकाबले के दौरान एक अंक दोबारा खेले जाने के बाद गॉफ पर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर नस्लभेदी टिप्पणियों का भी सामना करना पड़ा। गॉफ ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह न तो धोखेबाज हैं और न ही चोर।

चाइना ओपन के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में गॉफ ने चीन की सुन शिनरान को 7-5, 6-1 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। हालांकि, मैच का परिणाम सामने आने के बावजूद पहले सेट में हुई एक घटना चर्चा का केंद्र बन गई।

पहले सेट में गॉफ 4-5 के स्कोर पर सर्विस कर रही थीं। स्कोर 15-15 होने के दौरान उन्होंने एक अंक गंवा दिया। इसके बाद कोर्ट के किनारे लगे एलएंडी विज्ञापन बोर्ड के टिमटिमाने को लेकर उन्होंने चेयर अंपायर से बातचीत की। गॉफ की आपत्ति के बाद उस अंक को दोबारा खेले जाने की अनुमति दी गई। गॉफ ने इसके बाद गेम और फिर पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। यही



‘आप मुझे नापसंद कर सकते हैं, लेकिन नस्लभेदी मत बनिए’

गॉफ ने सोशल मीडिया पर एक प्रशंसक को जवाब देते हुए कहा कि लोग उनके खेल या घटना को लेकर उनसे असहमत हो सकते हैं, लेकिन नस्लभेदी टिप्पणियां स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें पिछले कुछ घंटों में बड़ी संख्या में नस्लभेदी टिप्पणियां मिली हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वह न तो धोखेबाज हैं और न ही चोर। गॉफ ने घटना को विस्तार से समझाते हुए कहा कि अंक की शुरुआत में ही उन्होंने एलएंडी बोर्ड को टिमटिमाने हुए देखा था, लेकिन उस समय उन्हें पूरी तरह यकीन नहीं था कि उन्होंने वास्तव में ऐसा देखा है या नहीं।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

अमिताभ की फरमाइश पर माधुरी ने छेड़ी कथक की ताल, ‘काहे छेड़ छेड़ मोहे’ पर झूम उठा मंच

मुंबई। बॉलीवुड की महशूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने लोकप्रिय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम ‘कौन बनेगा करोड़पति’ में अपनी खास मौजूदगी से माहौल को यादगार बना दिया। अमिताभ बच्चन के जन्मदिन विशेष सप्ताह में पहुंची माधुरी से बिग बी ने जब नृत्य की फरमाइश की तो कार्यक्रम का माहौल अचानक सुर और ताल से भर गया। माधुरी ने अपनी शास्त्रीय नृत्य शैली और भाव-भंगिमाओं से सभी का मन मोह लिया।

अमिताभ ने की नृत्य की फरमाइश- कार्यक्रम के दौरान अमिताभ बच्चन ने माधुरी दीक्षित से नृत्य करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि माधुरी के लिए एक गीत बजाया जाए। इसके बाद जैसे ही ‘काहे छेड़ छेड़ मोहे’ की धुन शुरू हुई, माधुरी



ने अपनी जगह पर बैठे-बैठे ही नृत्य की मुद्राएं प्रस्तुत करनी शुरू कर दीं। माधुरी ने अपने चेहरे के भाव, बथों की मुद्राओं और कथक की खूबसूरत झलक से इस छोटी-सी प्रस्तुति को खास बना दिया।

उनकी प्रस्तुति देखकर दर्शक भी मंत्रमुग्ध नजर आए। वहीं अमिताभ बच्चन लगातार उनकी प्रस्तुति को गौर से देखते रहे और तालियां बजाकर अभिनेत्री का उत्साह बढ़ाया।

बिग बी ने की जमकर तारीफ- प्रस्तुति खत्म होने के बाद अमिताभ बच्चन माधुरी की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने कहा, “वाह! क्या बात है... अविश्वसनीय माधुरी।” अमिताभ की इस प्रशंसा पर माधुरी मुस्कुराती नजर आईं। दोनों दिग्गज कलाकारों की यह खूबसूरत मुलाकात कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों के लिए भी खास पल बन गई। माधुरी और अमिताभ की शानदार मौजूदगी ने मनोरंजन के साथ-साथ हिंदी सिनेमा की पुरानी यादों को भी ताजा कर दिया।

‘देवदास’ से जुड़ा है गीत

जिस गीत पर माधुरी ने नृत्य की झलक दिखाई, वह वर्ष 2002 में प्रदर्शित संजय लीला भंसाली की चर्चित फिल्म ‘देवदास’ का है। फिल्म में माधुरी ने चंद्रमुखी की भूमिका निभाई थी। इस गीत में उनके कथक नृत्य और भाव-भंगिमाओं ने दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। गीत का संगीत इस्माइल दरबार ने तैयार किया था, जबकि इसके बोल नुसरत बद्र ने लिखे थे। गीत को पंडित बिरजू महाराज और कविता कृष्णमूर्ति ने स्वर दिया था। इसकी नृत्य रचना भी कथक के दिग्गज कलाकार पंडित बिरजू महाराज ने की थी। माधुरी दीक्षित जल्द ही ‘कौन बनेगा करोड़पति’ के मराठी रूपांतरण ‘कोण होणार करोडपति’ में प्रस्तोता की भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसके साथ ही वह प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम की दुनिया में एक नई भूमिका के साथ वापसी करेंगी।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक अक्टूबर की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) में ब्याज दरों को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 5.5 प्रतिशत कर सकती है। साथ ही, कहा गया कि अगले कुछ महीनों में बैंकिंग सिस्टम से 6 लाख करोड़ रुपए की तरलता हटाने की आवश्यकता है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एचएमबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, महंगाई दर

इस महीने में ब्याज दरों में हो सकती है 0.25% की बढ़ोतरी

अगस्त में 4.8 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में लगभग 5.5 प्रतिशत होने की उम्मीद है और 2026 की चौथी तिमाही में यह औसतन 6 प्रतिशत से थोड़ी अधिक हो सकती है।

6 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त तरलता में से, लगभग 2 लाख करोड़ रुपए की जरूरत को संकुलेशन में मौजूद करेंसी से पूरा किया जा सकता है, जबकि बाकी हिस्से को ओपन मार्केट ऑपरेशन सेल्स, फॉरन एक्सचेंज स्पोर्ट सेल्स, एफएक्स स्वेप और वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो जैसे मौजूदा तरीकों से मैनेज किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि नकदी में कमी

धीरे-धीरे होने की संभावना है, जब तक कि कैश रिजर्व रेप्यो (सीआरआर) बढ़ाने जैसे कड़े उपायों का इस्तेमाल न किया जाए। रिपोर्ट में कहा गया, मुख्य महंगाई में लगातार बढ़ोतरी हुई है, जिसकी मुख्य वजह सर्विस सेक्टर में महंगाई है। हमारा अनुमान है कि अगले 12 महीनों में महंगाई औसतन 5 प्रतिशत से ज्यादा रहेगी।+ रिपोर्ट में बाहरी हालात को चिंताजनक बताया गया है, क्योंकि तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चल रही हैं और 2027 के लिए तेल की कीमत का अनुमान 20 डॉलर प्रति बैरल बढ़कर 85 डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है।

भारत पर दुनिया का भरोसा बढ़ा, विश्व बैंक ने विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और विकास की रफ्तार पर विश्व बैंक ने भरोसा जताया है। विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। विश्व बैंक की ताजा दक्षिण एशिया आर्थिक अद्यतन रिपोर्ट में भारत की मजबूत आर्थिक गतिविधियों को इस बढ़ोतरी का प्रमुख आधार बताया गया है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत घरेलू मांग, औद्योगिक गतिविधियों में विस्तार और सेवा क्षेत्र की लगातार मजबूती से सहारा मिल रहा है। वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की विकास गति मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू मांग आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख आधार बनी हुई है। यही मजबूती भारत को मौजूदा वित्त वर्ष में तेज विकास दर बनाए रखने में मदद कर रही



है। विश्व बैंक ने भारत की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं को पिछले वर्षों में किए गए महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों से जोड़कर देखा है। इनमें श्रम कानूनों का एकीकरण, वस्तु एवं सेवा कर में सुधार, शुल्क व्यवस्था को तर्कसंगत बनाना, दिवाला एवं शोधन अक्षमता सहिता और भौतिक तथा डिजिटल बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश शामिल हैं। इन सुधारों ने अर्थव्यवस्था की नींव को मजबूत करने के साथ कारोबार और निवेश के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया है। हालांकि विश्व बैंक ने भारत की विकास दर को लेकर सकारात्मक अनुमान जताया है, लेकिन कुछ जोखिमों की ओर भी ध्यान दिलाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू मांग आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख आधार बनी हुई है। यही मजबूती भारत को मौजूदा वित्त वर्ष में तेज विकास दर बनाए रखने में मदद कर रही

बिग बॉस 20 से बाहर आते ही रीति तिवारी ने खोले दिल के राज, बोलीं-

किया, जो शायद काफी समय से उनके अंदर मौजूद था।

रीति ने अपनी बिग बॉस जर्नी को आत्ममंथन का अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के भीतर कुछ ऐसी बातें होती हैं, जिन्हें वह बदलना चाहता है या जिनमें सुधार की गुंजाइश होती है। शो के दौरान उन्हें अपने व्यवहार और भावनाओं को करीब से समझने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि घर में जाने से पहले वह अपनी कुछ कमियों से पूरी तरह परिचित नहीं थीं। लेकिन वहां के माहौल और अलग-अलग परिस्थितियों



‘मेरी गलतियों ने मुझे बेहतर इंसान बनाया’

ने उन्हें यह समझने में मदद की कि उन्हें खुद में किन बदलावों की जरूरत है।

रीति ने अपनी मां से मिली सीख का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनकी मां हमेशा उन्हें अपनी भावनाओं को दिमाग पर हावी नहीं होने देने की सलाह देती थीं। बिग बॉस के घर में उन्हें इस सीख की अहमियत और ज्यादा महसूस हुई। रीति ने माना कि वह कुछ कमियों के साथ शो में गई थीं और अब उन पर काम करनी चाहती हैं। उन्होंने अपनी गलतियों को नकारने के बजाय उन्हें सीख का जरिया बताया।

बुलेट ट्रेन: साबरमती पर 480 मीटर लंबा पुल तैयार



अहमदाबाद। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में साबरमती नदी पर 480 मीटर लंबा और 36 मीटर ऊंचा पुल बनकर तैयार हो गया है। यह पुल साबरमती और अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित है और परियोजना के प्रमुख ढांचागत निर्माणों में शामिल है। करीब 118 फीट ऊंचा यह पुल 12 मंजिला इमारत के बराबर है। आठ पिलरों वाले इस पुल में लंबे स्पैन के लिए बैलेंस्ड कैंटिलीवर तकनीक अपनाई गई। गुजरात में 21 मं से 18 नदी पुल पूरे हो चुके हैं।

न्यूज विंडो

फ्रांस में शिक्षा फंडिंग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग: पुलिस ने छोड़ी आंसू गैस

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में स्कूलों के लिए ज्यादा फंड की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन मंगलवार को देशव्यापी प्रदर्शन में बदल गया। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, पूरे देश में 2.66 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया, जिनमें अकेले पेरिस में 56 हजार लोग शामिल थे। छात्रों ने कई हाईस्कूलों की नाकेबंदी की, जबकि मार्सेई, स्ट्रासबर्ग और दूसरे शहरों में बड़ी संख्या में लोग झंडे और पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे। यह आंदोलन सितंबर के मध्य में पेरिस क्षेत्र के एक हाईस्कूल से शुरू हुआ था। अब यह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यकाल में हुए कई बड़े प्रदर्शनों के बीच एक नए देशव्यापी आंदोलन के रूप में सामने आया है। प्रदर्शन में शामिल लीआ मोनिमार्ट ने कहा कि सरकार को छात्रों की बात सुननी चाहिए, क्योंकि वे 17 साल के हैं और अपने मुद्दों को समझते हैं।

भारत-घाना की दोस्ती में नया दम अफ्रीका में बढ़ेगा भारत का प्रभाव

नई दिल्ली। भारत और घाना ने आपसी रिश्तों को और मजबूत बनाने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय



मंचों पर मिलकर काम करने, व्यापार बढ़ाने और विकास से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग का दायरा बढ़ाने पर चर्चा की है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने घाना के विदेश मंत्री सैम ओकुजेटो अबलाक्वा से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच व्यापक सझेदारी को आगे बढ़ाने के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की। इस दौरान अफ्रीकी संघ और पश्चिम अफ्रीकी देशों के आर्थिक संगठन के साथ भारत के बढ़ते जुड़ाव पर भी जोर दिया गया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर मंगलवार को घाना पहुंचे। यह तीन अफ्रीकी देशों की उनकी यात्रा का पहला पड़ाव है।

रूसी तट के पास तेल टैंकर पर यूक्रेनी ड्रोन से हमला: 23 भारतीय नाविक बचे

मॉस्को, एजेंसी। ब्लैक सी (काला सागर) में रूसी तट के पास एक लाइबेरियाई ध्वज वाले तेल टैंकर पर यूक्रेनी नेवल ड्रोन से भीषण हमला हुआ है। इस जहाज पर चालक दल के रूप में सभी 23 भारतीय नाविक तैनात थे। हमले के तुरंत बाद समुद्र में फैले कच्चे तेल में भयानक आग लग गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि सभी 23 भारतीय क्रू मेंबर्स को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाल लिया गया है। रूसी परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, यह हमला रूस के प्रमुख रिसॉर्ट शहर सोची के पास हुआ, जिसकी आबादी लगभग पांच लाख है। यूक्रेनी समुद्री ड्रोन टकराते ही जहाज और समुद्र के पानी में कच्चे तेल के कारण भयानक लपटें उठने लगीं। आग इतनी भीषण थी कि आपातकालीन बचाव दल शुरूआत में लपटों पर काबू नहीं पा सके।

साइबेरिया में प्लेग के शक से चिंता: ट्रंप करेंगे पुतिन से बात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से जल्द फोन पर बात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच रूस के साइबेरिया स्थित एक शोध संस्थान में प्लेग के संभावित मामले को लेकर चर्चा होगी। ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि पुतिन से इस मुद्दे पर उनकी बातचीत 'बहुत जल्द' होगी। यह मामला साइबेरिया के इस्कुल्स्क एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट से जुड़ा है। पिछले सप्ताह इस संस्थान में काम करने वाली एक महिला की मौत हो गई थी। स्वास्थ्य अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं। रूसी अधिकारियों ने महिला की मौत की वजह अज्ञात कारणों से हुआ निमोनिया बताया है। इसी के बाद प्लेग के संभावित मामले को लेकर जांच शुरू हुई है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी भी इस पर विशेष नजर बनाए रखी हुई है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भारत ने ओआईसी को आतंकवाद पर खरी-खरी सुनाई

‘पीड़ित और अपराधी के बीच फर्क नहीं कर पा रहा ओआईसी’

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की छठी समिति की बैठक में भारत ने इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) को खरी-खरी सुनाई है। साथ ही पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ भारत की सटीक कार्रवाई पर ओआईसी की तरफ से की गई टिप्पणियों को सिरे से खारिज कर दिया है।

पश्चिम त्रिपुरा से लोकसभा सांसद बिप्लब कुमार देब ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का पक्ष रखते हुए ओआईसी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने साफ-साफ कहा कि यह बेहद अफसोसजनक है कि ओआईसी के बयान देने वाले लोग यह तक तय नहीं कर पा रहे हैं कि आतंकवाद के लिए असल में जिम्मेदार कौन है और उसका शिकार कौन बना है। बैठक में भारत ने ओआईसी की तरफ से जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में की गई 'अनावश्यक टिप्पणियों' पर कड़ी आपत्ति जताई। भारत ने पलटवार करते हुए ओआईसी को सलाह दी कि उसे पाकिस्तान के अवैध कब्जे और रावलाकोट जैसे इलाकों में हो रहे मानवाधिकारों के हनन पर ध्यान देना चाहिए।



‘सच्चाई और फिक्शन में फर्क भूल गया ओआईसी’

सांसद बिप्लब कुमार देब ने बैठक में ओआईसी को लताड़ते हुए कहा कि यह बेहद अफसोसजनक है कि ओआईसी के बयान देने वाले लोग यह तक तय नहीं कर पा रहे हैं कि आतंकवाद के लिए असल में जिम्मेदार कौन है और उसका शिकार कौन बना है। देब ने इस बात पर जोर दिया कि रावलाकोट में खुलेआम निर्मम हत्याएं, हिंसा और वहां के लोगों को बुनियादी अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। ओआईसी की ऐसी जानबूझकर दिखाई गई अंधी केवल उनकी कट्टरता को दर्शाती है।

भारत की दो टूक

देब ने दो टूक शब्दों में कहा कि हटुष्ट का अध्यक्ष उन जगहों पर भारत की लक्षित और मापी गई कार्रवाई पर बयान दे रहा है, जो पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ थीं। इन ठिकानों से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले प्लान और निर्देशित किए जाते रहे हैं।

आतंकवाद पर कोई ‘अच्छा या बुरा’ भेद नहीं

भाषण में भारतीय सांसद ने सीमा पर आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। इसके अलावा अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगाम हमला भारत की संप्रभुता पर एक सुनियोजित प्रहार था, जिसे उन नेटवर्कों ने अंजाम दिया जिन्हें पश्चिमी सीमा पर से सरकारी संरक्षण, सुरक्षित ठिकाने और रसद सहायता मिलती रही है।

बारामुला में अफजल गुरु के रिश्तेदारों का अवैध शेड हटाया



बारामुला। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले में प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बनाए गए एक अवैध शेड को ध्वस्त कर दिया। यह ढांचा संसद हमले के दोषी मोहम्मद अफजल गुरु के रिश्तेदारों द्वारा बनाया और इस्तेमाल किया जा रहा था। यह कार्रवाई सोपोर इलाके में राजस्व विभाग की टीम ने की।

अधिकारियों ने बताया कि शेड बाढ़ क्षेत्र की जमीन पर बनाया गया था और सरकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए राज्य की जमीन पर इसका निर्माण किया गया था। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग की टीम ने अवैध ढांचे को गिरा दिया। प्रशासन ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की।

मनाली दौरे पर राष्ट्रपति: अटल टनल के साथ ही हिडिंबा मंदिर भी जाएंगी मुर्मू

मनाली (कुल्लू)। एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अटल टनल रोहतांग का दौरा करेंगी। इसके बाद वह ढूंगरी स्थित प्रसिद्ध हिडिंबा मंदिर पहुंचकर माता हिडिंबा के दर्शन करेंगी। राष्ट्रपति के मनाली दौरे को लेकर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चाबंद कर दिया है। अटल टनल और हिडिंबा मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अटल टनल का दौरा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति होंगी। इससे पहले जून 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अटल टनल रोहतांग और लाहौल पहुंचे थे।

सुरक्षा में तैनात रहेंगे 600 जवान:

राष्ट्रपति की सुरक्षा को देखते हुए करीब 600 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। मनाली से



अटल टनल और मनाली से हिडिंबा मंदिर तक के मार्ग पर जगह-जगह पुलिस की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत कई स्थानों पर नाके लगाए जाएंगे। राष्ट्रपति के काफिले की आवाजाही के दौरान जरूरत के अनुसार यातायात को रोक या डायवर्ट किया जाएगा। प्रशासन ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों से अपील की है कि वे प्रतिबंधित क्षेत्रों की ओर ना जाएं।

थाई युवती से शादी के बाद 60 लाख की ठगी

कानपुर। अनवरगंज थाना क्षेत्र में थाईलैंड निवासी युवती अप्सोन से 60 लाख की ठगी, धोखे से निकाह और धर्मांतरण के दबाव के मामले में पुलिस ने आरोपी चमड़ा कारोबारी मोहम्मद इरफान को गिरफ्तार कर लिया है। एडीसीपी ईस्ट शिवा सिंह की पुछताछ में भावुक हुई पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने धोखे से बिजनेस तबाह कर दिया और उस पर बैंक लोन की किस्तें आ गई हैं। वह लगभग चार हजार किलोमीटर की दूरी तय करके दो दिनों से शहर में भटक रही है।



मेट्रो एंकर ऊधमपुर के 9,700 फीट ऊंचे स्योजधार इलाके में वीडियो कॉल से डॉक्टर को जोड़ किया इलाज

न अस्पताल, न सड़क... सेना के जवानों ने बचाई जान

उधमपुर। एजेंसी

9,700 फीट की ऊंचाई और स्योजधार क्षेत्र के बेहद दुर्गम जंगल... लकड़ी काटते समय एक बकरवाल महिला ऊंचाई से गिर गई। वह दो घंटे वहीं बेहोश पड़ी रही। भारतीय सेना को खबर मिली तो जवान बचाने के लिए दौड़ पड़े। मौके पर सेना के जवानों ने वीडियो कॉल के जरिये इलाज किया। इसके बाद मीलों पैदल चलकर अस्पताल पहुंचाया। अंततः महिला की जान बचा ली गई। परिवार सेना का शुक्रगुजार है।

सेना के प्रवक्ता के अनुसार स्योजधार इलाके में तैनात जवानों को रविवार को सूचना मिली थी कि बकरवाल समुदाय की एक महिला लकड़ी काटते समय अचानक गिर गई है। उसके सिर में गहरी

चोट लगने के कारण वह लगभग दो घंटे तक जंगल में बेहोश पड़ी रही। जैसे ही इस आपात स्थिति की सूचना सेना को मिली, जवान बिना एक पल गंवाए तुरंत मौके के लिए रवाना हो गए।

इतनी ऊंचाई और दुर्गम क्षेत्र होने के कारण महिला को तुरंत अस्पताल पहुंचाना नामुमकिन था, इसलिए सेना ने तकनीक और अपनी मेडिकल ट्रेनिंग का बेहतरीन इस्तेमाल किया। सेना के बैटल फील्ड नर्सिंग असिस्टेंट्स ने मौके पर ही वीडियो कंसल्टेशन के जरिए डॉक्टरों से राय ली। जवानों ने महिला के घाव को साफ कर एनेस्थीसिया दिया और वहीं जंगल में ही 12 टांके लगाए। दर्द निवारक दवाइयां और ड्रिप देकर महिला की स्थिति को स्थिर किया गया।



और फिर दूसरी चुनौती भी पार की

घटनास्थल पर इलाज कर हालत स्थित होने के अब दूसरी बड़ी चुनौती महिला को सुरक्षित नीचे लाना था। रास्ते के मुश्किल और उबड़-खाबड़ हालात को देखते हुए सेना के जवानों ने अपने चार पोर्टर्स की मदद ली। घायल महिला को स्ट्रेचर पर सुरक्षित लाटी गांव तक लेकर आए। इसी बीच, एंबुलेंस से आगे ले जाने और इलाज के लिए सिविल हॉस्पिटल लाटी के साथ तालमेल बिठाया गया। इससे महिला को तुरंत अस्पताल भेजा जा सका।

पीड़ित परिवार का भी रखा ख्याल

सेना प्रवक्ता ने बताया कि समय पर किया गया यह चिकित्सा हस्तक्षेप और रेस्क्यू ऑपरेशन दूरदराज के क्षेत्रों में नागरिकों की सहायता के लिए सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।